हरिभूमि
रायपुर भूमि

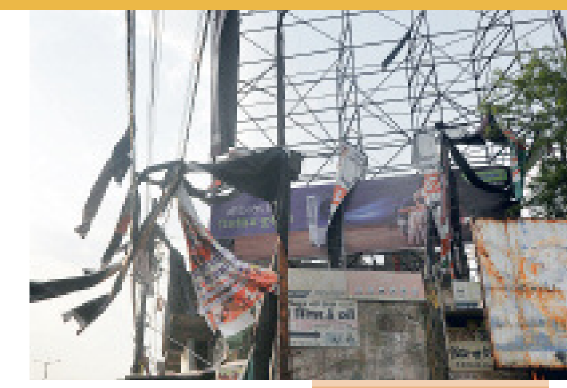

पचास किमी. प्रतिघंटे की रफ्तार से चली हवा, ओवरब्रिज से नीचे गिरा बिजली पोल, फ्लैक्स भी फटकर तारों से उलझे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मौसम में हुए बदलाव की वजह से सोमवार को दोपहर राजधानी में पचास किमी. प्रतिघंटे की रफ्तार से चली हवा ने कई इलाकों के जनजीवन को प्रभावित कर दिया। रविशंकर विवि के समीप ओवरब्रिज में लगा बिजली पोल नीचे सर्विस रोड पर आ गिरा और तार हवा में लटकते रह गए। इसके अलावा शहर के कई इलाकों में होर्डिंग्स में लगे फ्लैक्स फटकर समीप से गुजरने वाले तारों से उलझ गए। तेज गति की हवा की वजह से ⏭ शेष पेज 13 पर

बारिश से मिली राहत

राजधानी रायपुर में पिछले दो दिन से बारिश की गतिविधि हो रही है, जिससे गर्मी की शिकायत काफी कम हो गई है। सोमवार को दोपहर शहर में काफी देर तक तेज बारिश हुई। इससे दोपहर की उमस वाली गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में बारिश के साथ तेज हवा और अंधड़ की संभावना भी बनी हुई है।

खबर संक्षेप

कमरे के अंदर संदिग्ध अवस्था में मिली लाश, आंख के पास चोट के निशान

रायपुर। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के राजातालाब में एक 50 वर्षीय व्यक्ति की सोमवार देर शाम एक कमरे में संदिग्ध अवस्था में लाश मिली। बताया जा रहा है कि मृतक घर में अकेला ही रहता था। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक एक्सपर्ट और पुलिस की टीम जांच कर रही है। लाश की स्थिति को देखते हुए पुलिस हत्या की आशंका व्यक्त कर रही है। राजातालाब स्थित कुंदरापारा में रत्नेश सावरकर की लाश मिली। लाश जमीन में चित अवस्था में पड़ी हुई थी। आंखों के पास चोट के निशान हैं। इस लिहाज से पुलिस हत्या की आशंका ⏭ शेष पेज 13 पर

वाहन चोरी मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। खमतराई पुलिस ने मुखबिर की सूचना तथा सीसीटीवी फूटेज की मदद से बाइक चोरी के आरोप में चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सभी खमतराई के रहने वाले हैं। बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की चार बाइक जब्त की है। बाइक चोरी करने के आरोप में पुलिस ने अमन यादव, करन यादव, विक्की उर्फ भावेश दिवाकर, लोकेश साहू को गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने खमतराई के साथ आसपास के क्षेत्र में बाइक चोरी की थी।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर रेप, 20 साल कैद

रायपुर। अभनपुर थाना क्षेत्र में छह वर्ष पूर्व नाबालिग को शादी करने का झांसा देकर अपहरण और रेप करने के आरोपी को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनय कुमार प्रधान की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 20 वर्ष कैद की सजा सुनाई है। लोक अभियोजक विमला तांडी के अनुसार, कोर्ट ने राजेश बघेल को कैद की सजा सुनाई है। घटना में शामिल एक अन्य अभियुक्त हेमलाल उर्फ मुकेश जांगड़े फरार है। राजेश अपने साथी के साथ मिलकर 27 जून को किशोरी को बहला फुसलाकर अपने साथ भगाकर ले गया और उसका रेप किया।

सीधी फ्लाइट की सुविधा नहीं, फिर भी मशीन के साथ पहुंची कंपनी, ईओडब्लू के चालान में उल्लेख संभव नहीं

डेमोंस्ट्रेशन के लिए 'शक्तिमान' की तरह प्रकट हो गई थी हरियाणा की कंपनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अरबों के रीएजेंट और उपकरण घोटाले की साजिश में एक और तथ्य सामने आया है। पता चला है, मोक्षित कार्पोरेशन की सहयोगी कंपनी ने पंचकूला हरियाणा और रायपुर के बीच के 26 घंटे का सफर शक्तिमान की तरह पूरा कर लिया। चौबीस घंटे पहले भेजे गए ई-मेल पर कंपनी सीधी फ्लाइट की सुविधा नहीं होने के बावजूद दवा निगम के अफसरों के सामने उपकरणों के साथ प्रकट हुई और मशीनों का प्रदर्शन भी कर दिया। योजना के तहत मोक्षित कार्पोरेशन द्वारा दूसरी कंपनी का उपकरण उपलब्ध कराया गया, जिस पर पंचकूला के रायपुर की अन्य सहयोगी कंपनी का स्टीकर लगा दिया गया।

न्यायालय में पेश किए चालान में ईओडब्लू ने इस मामले का उल्लेख करते हुए जिक्र किया है कि पंचकूला हरियाणा से ⏭ शेष पेज 13 पर

हरिभूमि फॉलोअप

मोक्षित कार्पोरेशन की साजिश, दूसरी कंपनी की मशीन पर स्टीकर चिपकाकर प्रदर्शन, ओके भी हो गया

टेबल टू टेबल हुआ हस्ताक्षर

बड़ी कंपनी के इस दावा आपत्ति पर विशेषज्ञों की समिति में चर्चा नहीं कराई गई। मोक्षित कार्पोरेशन की टीम में शामिल अधिकारियों ने टेबल टू टेबल जाकर फैसले पर हस्ताक्षर लिया। इस मशीन की खरीदी के लिए एकल निविदा के नियम को भी दरकिनार किया गया। योजना के तहत 38 करोड़ की सीबीसी मशीन मोक्षित से खरीदी गई। इसके लिए बाजार में लगभग 32 करोड़ में मिलने वाले रीएजेंट को 70 करोड़ में खरीदा गया।

मेडिकल घोटाले में अफसरों का खुला खेल, मुफ्त के नियम को हटाकर खरीदी 121 करोड़ की स्टार्टर टेस्ट किट

10 हजार मशीन वाली कंपनी की आपत्ति नजरअंदाज

सीबीसी मशीन खरीदी के लिए जारी प्रोप्राइटरी आर्टिकल सर्टिफिकेट के नियम के अनुसार वही कंपनी वैध है जो उत्पादक और निर्माता हो। मेक मोक्षित मॉडल चंदा 9904 इस शर्तों का पूरा नहीं करता था। इस मामले में एक कंपनी ने आपत्ति दर्ज कराई थी और बताया था कि उनके द्वारा इस मशीन का निर्माण किया जाता है। इसके साथ भारत में 10 हजार से ज्यादा मशीनें क्रियाशील हैं तथा उनका सेल्स एवं तकनीकी सेवाएं रायपुर में उपलब्ध है। मोक्षित से मिलने वाले कमीशन की वजह से लालची अफसरों ने इस आपत्ति का निराकरण नहीं किया।

वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के परिवहन विभाग ने वाहन मालिकों की सुविधा और सुरक्षा के मद्देनज़र एक बड़ी पहल शुरू की है। अब वाहन पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगवाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए विभाग ने किसी भी प्रकार की बिचौलिया व्यवस्था या धोखाधड़ी से बचाव के लिए विशेष अभियान छेड़ दिया है।

- परिवहन विभाग की वेबसाइट का करें उपयोग-सरकार की अपील

उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा एचएसआरपी के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों, केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम 1988 एवं केन्द्रीय मोटरयान नियम 1989 के प्रावधानों, सड़क परिवहन ⏭ शेष पेज 13 पर

धोखाधड़ी की शिकायतें भी

विगत दिनों से यह शिकायतें मिल रही हैं कि एचएसआरपी लगाने के नाम पर आम लोगों से धोखाधड़ी की जा रही है। धोखाधड़ी करने वाले ऐसे लोग नंबर प्लेट बनाने के साथ ही होम डिलीवरी करने का झांसा देकर वाहन मालिकों से ठगी कर रहे हैं, जिसमें गूगल प्लेटफार्म में छद्म तरीके से एचएसआरपी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन ठगी करने का प्रयास किया जा रहा है। इसीलिए जन-जागरूकता की दृष्टि से परिवहन विभाग ने आम जनता एवं वाहन मालिकों से पुरजोर अपील की है कि वे अधिकृत विभागीय वेबसाइट के माध्यम से सीधे ऑनलाईन आवेदन कर वाहन में एचएसआरपी लगाने की प्रक्रिया पूरी करें, ताकि किसी प्रकार की धोखाधड़ी व स्कैम से बचा जा सके।

ड्रंक एंड ड्राइव, ट्रैफिक वायलेंस चार माह में 2500 लाइसेंस रद्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नशे में धुत होकर तथा वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस के साथ परिवहन विभाग भी सख्ती बरत रहा है। ट्रैफिक पुलिस की अनुसंशा पर परिवहन विभाग ने चार माह के भीतर रिकार्ड दो हजार 553 वाहन चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किया है। इनमें कई ऐसे लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस थे, जो पूर्व में ड्रंक एंड ड्राइव के आरोप में पकड़े गए हैं, जिनका लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई विचाराधीन थी।

खास खबर

पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2025 में जनवरी से मार्च के बीच अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में रायपुर जिले में 493 सड़क दुर्घटनाओं में 171 लोगों की मौतें हुई हैं। पिछले वर्ष इन तीन महीनों में 554 सड़क दुर्घटनाओं में 149 लोगों की मौतें हुई थीं। इनमें से ज्यादातर मामले ड्रंक एंड ड्राइव कर वाहन चलाने ⏭ शेष पेज 13 पर

लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई होने पर संतोषजनक जवाब नहीं देने पर लाइसेंस निरस्त किया गया

पकड़े जाने पर पांच हजार रुपए जुर्माना

जिन लोगों का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त हो गया है, वो दोबारा वाहन चलाते पकड़े जाते हैं, ऐसे में उनके खिलाफ मोटर व्हिकल एक्ट के तहत कार्रवाई कर चालान कोर्ट में पेश किया जाएगा। बगैर लाइसेंस वाहन चलाने पर कोर्ट वाहन चालक से पांच हजार रुपए जुर्माना राशि वसूल करेगा।

तीन महीने में 756 निलंबन

ट्रैफिक पुलिस ने पिछले तीन महीने में 756 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन करने परिवहन विभाग से अनुसंसा की है। इनमें सबसे ज्यादा ओवर स्पीड वाहन चलाने के 339 मामले हैं। दूसरे नंबर पर मोबाइल पर बात कर वाहन चलाने के 229 तथा तीसरे नंबर पर ड्रंक एंड ड्राइव के 178 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने अनुसंसा की गई है।

तीन हजार से ज्यादा को नोटिस

ड्रंक एंड ड्राइव के साथ ट्रैफिक नियमों की अनदेखी कर लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने पर ट्रैफिक पुलिस ने तीन हजार से ज्यादा वाहन चालकों का सूचीबद्ध किया है। ऐसे वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने के साथ निरस्त करने की अनुसंसा की गई है। ड्रंक एंड ड्राइव कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कोर्ट भी सख्त है। ड्रंक एंड ड्राइव के मामलों में कोर्ट वाहन चालक से 10 हजार रुपए जुर्माना राशि वसूल रहस है।

ऐसे लोग नहीं बनवा सकते लाइसेंस

जिन लोगों का ड्राइविंग लाइसेंस एक बार निरस्त हो चुका है, उन लोगों का दोबारा ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बन पाएगा। जिन लोगों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, वो तीन माह तक वाहन नहीं चला सकते। साथ ही उन्हें चेतावनी देकर एक बार सुधरने का मौका दिया जाता है।

उरला एवं खरोरा क्षेत्र में शादी की चल रही थी तैयारी

18 से कम उम्र की 2 लड़कियों का रोका बाल विवाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नाबालिग लड़का-लड़की का बाल विवाह कराने की प्रथा प्रतिबंधित है। इसके बाद भी कई परिवार अपने बच्चों के वयस्क होने के पहले ही उनका विवाह कराने का प्रयास करते हैं। रायपुर जिले में भी इस तरह के कई प्रकरण सामने आ चुके हैं। हालांकि इनमें ज्यादातर प्रकरणों में नाबालिग लड़की का विवाह करने के ही सामने आए हैं। जिले में सोमवार को ऐसे ही दो और प्रकरण सामने आए हैं, जहां नाबालिग दो लड़कियों की शादी की तैयारियां चल रही थीं, जिसकी सूचना महिला एवं ⏭ शेष पेज 13 पर

दो बाल विवाह होने से रोका गया

शादी का सीजन चल रहा है। इसे देखते हुए विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बाल विवाह पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही सूचना या शिकायत मिलने पर तत्काल मौके पर जाकर बाल विवाह रोकने के लिए कहा गया है। इसी कड़ी में दो बाल विवाह होने से रोका गया।

- **शैल ठाकुर**, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग

खरोरा में रोका गया दूसरा बाल विवाह

दूसरा बाल विवाह खरोरा थाना क्षेत्र का है। यहां के गांव में भी 17 वर्ष 8 माह की एक लड़की के विवाह की तैयारियां चल रही थीं। लड़की के परिजनों ने उसके विवाह के लिए शादी कार्ड से लेकर घर में पंडाल लगाने के साथ अपने नजदीकी रिश्तेदारों को भी बुला चुके थे जो विवाह की तैयारियों में जुटे हुए थे। टीम ने यहां भी परिजनों को समझाइश देकर बाल विवाह रुकवाया।

एक प्रकरण उरला थाना क्षेत्र का

एक प्रकरण राजधानी रायपुर के उरला थाना क्षेत्र का है। इस क्षेत्र में रहने वाला एक परिवार अपनी 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की का विवाह कराने जा रहा था। इसके लिए परिवार ने विवाह के पहले की पारांपारिक सारी रश्में भी पूरी कर चुका था। विवाह कार्ड बांटने से लेकर घर में पंडाल लगाकर शादी की तैयारी भी की जा रही थी। इसकी सूचना पर विभाग की जिला बाल संरक्षण अधिकारी रश्मि बाला तिवारी के नेतृत्व में टीम तत्काल ⏭ शेष पेज 13 पर

खबर संक्षेप

रीवा में जल समस्या व प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला एक को

आरंग। ग्राम रीवा में भीषण गर्मी में जलसंकट को देखते हुए 1 मई को ग्राम पंचायत रींवा व पीपला फाउंडेशन के संयुक्त संयोजन में जल प्रबंधन व ग्राम में जल की उपलब्धता पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सुप्रसिद्ध जियोलॉजीस्ट द्वय घनश्याम वर्मा व रितेश कुमार ताम्रकार को आमंत्रित किया गया है। कार्यशाला में विशेष रूप से ग्राम में जल का बेहतर प्रबंधन, सरंक्षण व जल की उपलब्धता का सर्वे किया जाएगा। साथ ही प्रोजेक्टर के माध्यम से जल की उचित प्रबंधन व संरक्षण की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। ज्ञात हो कि ग्राम रीवा लंबे अरसे से जल संकट से जूझ रहा है। वर्ष भर ग्रामीणों को आसपास के ग्रामों से पानी लाकर गुजारा करना पड़ता है। भूगर्भ के जानकारों के अनुसार यह बेल्ट ड्राई क्षेत्र में आता है। जल संकट को लेकर ग्रामीण काफी परेशान हैं। जिसे देखते हुए ग्राम के सरपंच घसिया राम साहू, उपसरपंच गणेश साहू सहित समस्त पंचों ने जल समस्या को गंभीरता से लेते हुए पीपला फाउंडेशन के साथ मिलकर कार्यशाला आयोजित कर रहे हैं। जिसमें ग्राम के समाजसेवियों, वरिष्ठ बुजुर्गो, नागरिकों व युवाओं को आमंत्रित किया जा रहा है।

शिविर में आंखों की जांच, निःशुल्क चश्मा वितरण

रायपुर। विधायक राजेश मूणत के जन्मदिन के अवसर पर डीडी नगर में पार्षद आशु चंद्रवंशी द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 300 के करीब पंजीकृत नागरिकों का स्वास्थ्य चेकअप किया गया, जिसमें 283 नागरिकों को आवश्यकता अनुसार निःशुल्क चश्मा वितरित किया गया। अमृतम स्वास्थ्य संस्था के सौजन्य से आयोजित इस शिविर का शुभारंभ रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया एवं सभी नागरिकों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस अवसर पर भाजपा दीनदयाल मंडल के अध्यक्ष दिनेश तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष नवीन शर्मा, जिला उपाध्यक्ष गोपी साहू सहित नागरिक मौजूद रहे।

धान की नीलामी के रेट आज खोले जाएंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार 35 लाख मीट्रिक टन धान की खुली नीलामी करने जा रही है। नीलामी इस बार बिना कोई न्यूनतम मूल्य (बेस रेट) तय किए, सबसे अधिक बोली लगाने वाले से सौदा किया जाएगा। यानी खरीदार खुद धान की कीमत तय करेंगे। 17 से 23 अप्रैल तक नीलामी के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी की गई। अब मंगलवार 29 अप्रैल को ऑनलाइन बोली शुरू होगी। 33 जिलों में से 30 जिलों संग्रहण केंद्रों में रखे धान की नीलामी की जा रही है। वर्ष 2024-25 में छत्तीसगढ़ सरकार ने 25.49 लाख किसानों से 149 लाख टन धान की खरीदी की थी। इसमें से 123 लाख टन धान को एफसीआई और नागरिक आपूर्ति निगम के जरिए कस्टम मिलिंग के लिए भेजा जा चुका है। शेष 35 लाख टन धान अब भी संग्रहण केंद्रों में पड़ा है। मार्कफेड ने जानकारी दी है कि यह नीलामी "जैसे हैं, वैसे की स्थिति" में की जाएगी और ई-ऑक्शन के जरिए प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके लिए 17 से 23 अप्रैल को टेंडर प्रक्रिया पूरी कह गई। अब रेट मंगलवार को खोले जाएंगे। देखना है कि इसमें किस दर पर धान की नीलामी तय होती है।

15 जून तक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू करें

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा व्यवस्था को लेकर एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है। पत्र में प्रदेश के स्कूलों में 57,000 शिक्षकों और कॉलेजों में 2,160 प्रोफेसरों के पद रिक्त होने की बात कही गई है। रिक्त पदों के कारण छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में इन पदों पर भर्ती का वादा किया था। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार को बने 16 महीने हो चुके हैं। अभी तक शिक्षा के इस अहम मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने मांग की है कि सरकार 15 जून से पहले भर्ती प्रक्रिया शुरू करे। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर 15 जून तक भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं होती है, तो एनएसयूआई प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

मौसम : धरसींवा में ओलों की बारिश, प्रकृति का अद्भुत नजारा

ओलावृष्टि का कहर, घरों व आंगन में बर्फ की चादर बिछी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

अंचल में प्रकृति ने अचानक ही अपना रंग बदल दिया। जहां कुछ दिनों पहले तक गर्मी अपने चरम पर थी, वहीं आज आसमान से बरसे ओलों ने पूरे क्षेत्र को बर्फ की सफेद चादर से ढक दिया। यह अप्रत्याशित मौसम बदलाव लोगों के लिए आश्चर्य और खुशी का मिश्रण लेकर आया।

- देखते ही देखते सड़कें, खेत और घरों के आंगन ओलों से पट गए

दोपहर के बाद अचानक मौसम में बदलाव आया। काले घने बादल छा गए और तेज हवाएं चलने लगीं। कुछ ही देर में जोरदार बारिश शुरू हो गई और फिर शुरू हुआ ओलों का गिरना। देखते ही देखते सड़कें, खेत और घरों के आंगन ओलों से पट गए। ऐसा लग रहा था मानो किसी ने चारों तरफ बर्फ के छोटे-छोटे मोती बिखेर दिए हों। इस अप्रत्याशित ओलावृष्टि ने सबसे ज्यादा खुश बच्चे हुए। घरों से बाहर निकलकर उन्होंने जमकर मस्ती की। ओलों को हाथों में लेकर उनकी ठंडक महसूस की और एक-दूसरे पर फेंककर खूब खेले। कई बच्चों ने तो ओलों को इकट्ठा करके छोटे-छोटे बर्फ के गोले भी बना लिए। उनके चेहरों पर खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था। घरों के आंगन और छतों पर भी ओलों का ढेर जमा हो गया। कुछ घरों में तो इतनी बर्फ जमा हो गई कि लोगों को उसे हटाने के लिए बर्तन और फावड़े तक निकालने पड़े। यह नजारा अद्भुत था, मानो पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हो रही हो। इस ओलावृष्टि ने निश्चित रूप से गर्मी से राहत दिलाई है।

ओलावृष्टि से फसलों को होगा नुकसान

पिछले कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से परेशान लोगों ने ठंडी हवाओं और बर्फबारी जैसे माहौल का स्वागत किया। मौसम में आए इस बदलाव से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को कुछ समय के लिए गर्मी से निजात मिली। हालांकि धरसींवा अंचल में हुयर ओलावृष्टि फसलों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। खेतों में खड़ी फसलें ओलों की मार से खराब हो सकती हैं, जिससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। धरसींवा अंचल में हुई इस ओलावृष्टि ने लोगों को एक अलग अनुभव दिया। बच्चों के लिए यह एक यादगार दिन बन गया, वहीं गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली। अब देखना यह है कि मौसम आगे कैसा रुख लेता है और इसका खेती पर क्या प्रभाव पड़ता है।

तेज हवाओं के बीच ओलावृष्टि के साथ बारिश, गर्मी से मिली राहत

आरंग। सोमवार को दोपहर अचानक मौसम ने रुख बदला और ग्रामीण क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ तेज बारिश भी हुई। बारिश के दौरान ग्राम पंचायत रीवा, उमरिया, जरौद, नरदहा सहित अनेकों गांवों में बड़े बड़े ओला (करा) भी गिरते देखी गई। जिससे मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। खेतों और खुले मैदानों में चल रही तेज हवाओं से जनजीवन प्रभावित हुआ। कई गांवों में दोपहर तक तेज धूप और गर्म हवाओं के चलते लोग परेशान थे, लेकिन अचानक बदले मौसम ने गर्मी से राहत दिलाई। बारिश के कारण तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है और वातावरण में ठंडक घुल गई है। ग्रामीण अंचलों में बारिश के बाद लोग खेतों और गलियों में निकले और मौसम का आनंद लेते नजर आए। गर्मी से जूझ रहे ग्रामीण इलाकों में इस बारिश ने जरूर राहत दी है। ग्राम पंचायत नरदहा के किसान उत्तम साहू ने इस बदलाव को मौसम के प्राकृतिक चक्र का हिस्सा मान रहे हैं और आने वाले दिनों में मौसम के सामान्य होने की उम्मीद कर रहे है।

सरस्वती शिशु मंदिर तरपोंगी के परीक्षा परिणाम घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरपोंगी

सरस्वती शिशु मंदिर तरपोंगी स्थानीय परीक्षा कक्षा नर्सरी से सातवीं तक के परीक्षा परिणाम घोषित कर विद्यार्थी को प्रगति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक तुलसीराम ने कहा कि परीक्षा शिक्षा प्रणाली का महत्व पूण हिस्सा है। ज्ञान कौशल और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। उन्होंने सभी विद्यार्थीयो को सफल होने पर बधाई दी।

शाला के अध्यक्ष गजेंद्र वर्मा जी ने विद्यार्थी को प्रेरित करते हुए कहा कि आज पढ़ाई में सुधार करने की आवश्यकता है। नर्सरी से सप्तम तक परीक्षा परिणाम शत -प्रतिशत रहा। जिसमें सभी बच्चे A ग्रेड से उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया। सभी दीदी, आचार्य के द्वारा विद्यार्थीयो को बधाई दिया गया। जिसमें कक्षा अरुण में प्रथम स्थान तृप्ति महाडिक-100%, नित्या वर्मा 100%, कीर्ति देवांगन 100%, साधना देवांगन 100%, कक्षा उदय (अ) प्रथम स्थान वंश पटेल 100%, विनायक वर्मा 100%,कक्षा उदय (ब) प्रथम स्थान गीतांजलि वर्मा 100%, कुशल वर्मा 100%, लक्षण वर्मा 100%। कक्षा प्रभात प्रथम स्थान मयंक पाल 100%, दिव्या दिव्यांशी वर्मा 100%, हुमसीखा वर्मा 100% सोहम वर्मा 100%। कक्षा प्रथम में प्रथम स्थान दानिश वर्मा 100%, त्रिशा सिन्हा 100%, प्रियांशु वर्मा 100%, नमेश 100%। कक्षा द्वितीय प्रथम स्थान मानसी वर्मा 99% पूर्व वर्मा 99%, कक्षा तृतीय प्रथम स्थान जिया परगनिहा 95.5%। कक्षा चतुर्थ प्रथम स्थान यमुना निर्मलकर 94%। कक्षा षष्ठ प्रथम स्थान रितिका ध्रुव 91.5%। कक्षा सप्तम प्रथम स्थान (अ) दीपराज वर्मा 95.8%,कक्षा सप्तम (ब) प्रथम स्थान खुशी साहू 94.33% अंक प्राप्त किए।

टिकेश्वर बने तिल्दा ब्लॉक सरपंच संघ के नए अध्यक्ष

तिल्दा नेवरा। जनपद पंचायत तिल्दा नेवरा अंतर्गत नवनिर्वाचित 102 सरपंचों का बैठक सम्मलेन जनपद पंचायत सभागार में हुआ। उक्त बैठक का उद्देश्य सरपंच संघ के पद्धिकारियों के चयन को लेकर किया गया था। जनपद पंचायत अध्यक्ष टिकेश्वर सोनू मनहरे के नेतृत्व में सरपंच संघ का गठन किया गया। नवनिर्वाचित सभी सरपंचों ने ग्राम पंचायत पचरी के सरपंच अभिषेक वर्मा को सर्वसम्मति से सरपंच संघ तिल्दा ब्लॉक का अध्यक्ष चुना गया। साथ ही सरपंच संघ के कार्यकारणी में ग्राम पंचायत आसौदा के सरपंच जितेंद्र चंद्राकार, ग्राम पंचायत आड़सेना के सरपंच डॉ. तेजराम पाल ,ग्राम पंचायत बिठिया दुष्यंत साहू, ग्राम पंचायत बरौंडा सरपंच नीतू प्रदीप मढ़रिया, ग्राम पंचायत कोहका सरपंच तेजराम वर्मा को संरक्षक नियुक्त किया गया। साथ ही ग्राम पंचायत इलदा के सरपंच धनेश साहू एवं दिनेश वर्मा रायखेड़ा, पुष्पा सुमित ठाकुर सरपंच बरतोरी, चित्ररेखा योगेंद्र साहू रजिया, सुनंदा वर्मा सोनतरा को उपाध्यक्ष का दायित्व दिया गया है। इसी तारतम्य में महासचिव के पद पर ग्राम पंचायत खपरी कला के सरपंच रामेश्वर गोलू साहू एवं ग्राम पंचायत वोटगन के सरपंच हिमांशु तिवारी को बनाया गया। साथ ही सचिव के पद पर ग्राम पंचायत सगुनी के सरपंच रजत कश्यप को नियुक्त किया गया। साथ ही सह सचिव के रूप में ग्राम पंचायत सीलपट्टी सरपंच लोकेश कश्यप एवं नहरडीह सरपंच अनिल सायतोड़े को नियुक्त किया गया एवं सरपंच ग्राम पंचायत केवतरा गोविंद कुर्रे को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। उक्त कार्यक्रम में जनपद पंचायत तिल्दा के पूर्व अध्यक्ष देवव्रत नायक एवं सरपंच संघ तिल्दा के पूर्व अध्यक्ष मिथलेश साहू उपस्थित रहे। जनपद पंचायत तिल्दा के अध्यक्ष टिकेश्वर मनहरे ने सभी नवनियुक्त सरपंच संघ के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित किया।

चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के नवनिर्वाचित अध्यक्ष का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

अग्रसेन योगासन शाखा अग्रवाल पारा आरंग द्वारा चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के नव निर्वाचित अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अग्रसेन योगासन शाखा अपने नित्य दिनचर्या आसन, प्राणायाम, ध्यान योग एवं ध्वज प्रणाम के बाद नव निर्वाचित चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा द्वारा भगवान लक्ष्मी नारायण की आरती एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।

अग्रसेन योगासन के सदस्यों द्वारा शाल, बुकें एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। ध्रुव कुमार मिर्धा अपने उद्बोधन में कहा कि मैं अपने मोहल्ले की स्थिति को देखकर सन 1977 से सन 1997 तक अपने पैतृक व्यवसाय करते हुए मोहल्ला वासियों के सहयोग से भगवान गणेश जी की सार्वजनिक रूप से पूजा प्रारंभ किया। जिससे मोहल्ले के स्वच्छता में सुधार हुआ। सत्र 2015 में नगर पालिका परिषद आरंग का उपाध्यक्ष बना। आरंग दानवीरों की भूमि है, आरंग का यह कर्मवीर सपूत आज चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड का अध्यक्ष निर्वाचित हुआ है। इ

स अवसर पर आरंग नगर कार्यवाह रामू मिर्धा, रविन्द्र अग्रवाल, अमिताभ अग्रवाल, अभिनेष अग्रवाल, दीपक साहेब गुरुगोश्वमि, ओम गुप्ता, शिव गुप्ता, होरी गुप्ता, शंकर पाल, गोपाल पाल, सूरज साहू, बलराम साहू, राम कुमार कंसारी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार व्यक्त अशोक कुमार ठाकुर द्वारा किया गया।

सृजन सोनकर विद्या मंदिर स्कूल के परीक्षा परिणाम जारी, छात्रों का प्रदर्शन सराहनीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

सृजन सोनकर विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरंग में नगर पालिका अध्यक्ष डा. संदीप जैन, उपाध्यक्ष हीराराम कोसले, पार्षद भानमती राकेश सोनकर, वीरेंद्र गोलू कंडरा, सेवती तोषण साहू, नरेंद्र लोधी, संतोष लोधी व खिलेश धुरंधर, नागेंद्र विश्वकर्मा की उपस्थिति में परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। केजी-1 से 11वीं तक के परीक्षा परिणाम मे प्रथम आकाश कुमार लोधी, प्रज्ञा राय, रानिध्या साहू, विहाना साहू, डिम्पल लोधी, टीया साहू, मयंक यादव, योगिता साहू, आयुषी लोधी, हिमाक्षी साहू, हर्षित साहू, प्रभा साहू, लवण्या साहू, प्राची सिंह, तिमांशु लोधी, महिमा यादव, वासिफ रजा, गरिमा साहू, प्रियांशी साहू, कुहू वैष्णव, लुविना चन्द्राकार, लेखा सोनवानी, आयुषी सोनकर, मनीष सोनकर, खुशबु साहू, कान्हा साहू, उदय कुमार जलक्षत्री, अंशु देवांगन, जया यादव, प्रियांशी चंद्राकर रहें। वही द्वितीय डिंपल साहू, झरना देवांगन, गोमिता निर्मलकर, साक्षी यादव, गुंजन विश्वकर्मा, फाल्गुनी साहू, भाविका निषाद, रितिका निर्मलकर, भावेश गोड, स्नेहल सोनकर, महिमा साहू, लोकेश यादव, नोमिन निषाद, रानू लोधी, मोरज साहू, सारिका लोधी, योग लक्ष्मी साहू, वीनस परमार, गरिमा देवांगन, जान्हवी साहू, ईशा साहू, रिया रात्रे, ख्याति साहू, प्रिंसी चंद्राकर, दुर्गा साहू, तान्या साहू, नारायणी सोनी, कंचन साहू, साबिर कुरैशी, सुमित देवांगन रहे।

विविध स्पर्धाएं हुई

परीक्षा परिणाम के साथ-साथ वर्षभर की गतिविधियों जैसे खेल-कूद, डांस, विज्ञान प्रदर्शनी, मेहदी रंगोली, केश सज्जा, चार्ट, मॉडल, वर्ष भर संचालित सृजन सामान्य ज्ञान, वर्ष भर में सर्वाधिक उपस्थिति, टाप टेन के लिए मोमेंटो, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कक्षा ग्यारहवीं की छात्र-छात्राओं द्वारा बारहवीं के विद्यार्थियों को विदाई दी गई। विदाई समारोह में सभी विद्यार्थियों को बारी-बारी से गेम खेलवाया गया। चिमटी की मदद से बैगन उठाओ, बैलून रेस, गेंद पास करो, डांस, गीत आदि मनोरंजक कार्यक्रम हुए। बच्चों ने अपने विद्यालय का अनुभव बताया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के अध्यक्ष छत्रधारी सोनकर द्वारा मोटिवेशनल स्पीच दिया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के संरक्षक लखन लाल सोनकर, अध्यक्ष छात्रधारी सोनकर, उपाध्यक्ष सियाराम सोनकर, कोषाध्यक्ष देवेंद्र सोनकर, सचिव सूरज सोनकर, सहसचिव सतीश सोनकर, प्राचार्य यशोदा योगी, उपप्राचार्य भारती वर्मा, प्रधानपाठक सोहागा देवांगन, शिक्षक गुपेश साहू, रोहित यादव, आशा सोनकर व सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

नरेंद्र लोकतंत्र प्रहरी संघ के प्रदेश महामंत्री बने

तिल्दा नेवरा। लोकतंत्र प्रहरी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने लोकतंत्र सेनानी संघ के उत्तराधिकारी व सहयोगी संगठन लोकतंत्र प्रहरी की छत्तीसगढ़ इकाई के संगठन हेतु प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा की है। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष विशाल राजहंस, भिलाई सह अध्यक्ष अमित छाबड़ा, डोंगरगढ़ साथ ही नरेंद्र शर्मा तिल्दा नेवरा सहित अन्य लोगों को महामंत्री नियुक्त किया गया है। उपासने ने बताया की लोकतंत्र प्रहरी, लोकतंत्र सेनानी संघ का अखिल भारतीय सहयोगी व उत्तराधिकारी संगठन है जो आपातकाल के समय जेलों में निरुद्ध रहे, गिरफ्तार किए गए उनके परिजनों जो भूमिगत आंदोलन में सक्रिय रहे या जो लोकतंत्र की रक्षा के लिए कार्य करना चाहते हैं ऐसे प्रहरियों का यह संगठन है। उपासने ने बताया की ऐसे सभी लोगों को प्रदेश स्तर पर व्यापक सदस्यता अभियान चलाकर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा व विभिन्न जिला इकाइयों का गठन किया जाकर आपातकाल की पचासवीं वर्षगांठ पर आगामी 26 जून को पूरे प्रदेश में संविधान हत्या दिवस मनाकर आपातकाल के काले अध्याय को जनता को बताया जाएगा। नरेंद्र शर्मा तिल्दा नेवरा लोकतंत्र प्रहरी संघ के प्रदेश महामंत्री बनाये जाने पर शहर के गणमान्य नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओ ने उन्हें बधाई दी है।

सरस्वती शिशु मंदिर के परीक्षाफल घोषित

आरंग। सरस्वती शिशु मंदिर रीवा में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें विद्यालय के अध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद साहू जिला ग्राम भारती के सचिव सुरेंद्र नशीने, सहसचिव दिलीप कुर्रे, सदस्य कमलेश्वर, प्रधानाचार्य टीकाराम धीवर, आचार्य-दीदी व अभिभावक भैया-बहन उपस्थित थे। अतिथियों के द्वारा भैया-बहनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीष वचन दिए।

सशिमं अभनपुर के परीक्षा परिणाम घोषित

अभनपुर। ज्ञान भारती शिक्षण समिति अभनपुर के अध्यक्ष मोहन अग्रवाल एवं सचिव प्रदीप शर्मा के उपस्थिती में सरस्वती शिशु मंदिर अभनपुर का वार्षिक परीक्षा परिणाम 98.96 प्रतिशत घोषित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय मे पूरे समय शत प्रतिशत उपस्थिति एवं 98.05 प्रतिशत प्राप्त करने वाले प्रियांश साहू को 500 रूपये नगद पुरस्कार एवं शील्ड से सम्मानित किया गया,इसी तरह प्रथम से लेकर कक्षा एकादश तक प्रथम,द्वितीय,तृतीय स्थान पाने वाले बच्चो को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सहसचिव सुधीर लेकुरवाले ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर मे पढने वाले बच्चो का रिजल्ट शत प्रतिशत रहने के साथ ही वह संस्कार निपुण रहते है,यहां के रिजल्ट की सराहना करते उन्होने कहा कि विद्यालय के परिणाम का श्रेय प्राचार्य रूपचंद साहू एवं आचार्य लोगो को जाता है। इस अवसर पर अभिभावक एवं आचार्य व बच्चे उपस्थित रहे।

परसदा में हर्षोल्लास से मनाई गई कर्मा जयंती

मां कर्मा के जीवनी से राष्ट्र भावना की शिक्षा मिलती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरपोंगी

समीपस्थ ग्राम परसदा (सरोरा) में साहू समाज द्वारा भक्त कर्मा माता की जयंती उल्लास के साथ मनाई गई। सर्व प्रथम गांव के माताओ, बहनों के द्वारा गड़वा बाजा के साथ मां कर्मा के जयकारा लगाते हुए कलश यात्रा, पूरे गांव का भ्रमण कर शीतला माता मन्दिर होते हुए कर्मा माता मंदिर में समापन हुआ। जहां मां कर्मा की पूजा अर्चना के पश्चात आए हुए अतिथियों का पुष्प हार तिलक लगा कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शैल महेंद्र साहू जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि माँ कर्मा के जीवन से आत्मबल, निर्भीकता, साहस, समानता और राष्ट्र भावना की शिक्षा मिलती है, साहू समाज शिक्षित समाज है। अति विशिष्ट अतिथि के रूप मे पहुचें परिक्षेत्र अध्यक्ष संतोष साहू ने बालकों के शिक्षा पर चिंता व्यक्त करते हुए सामाजिक जनों से बालक शिक्षा पर जोर देने की अपील की। वही विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचें क्षेत्रीय जनपद सदस्य सेवती बैतल साहू, सरपंच मेघनाथ मारखंडे, उप सरपंच प्रतिनिधि गुलापु साहू , परिक्षेत्र महिला उपाध्यक्ष जामवती साहू, सचिव तखत साहू, गांव के वरिष्ठ नागरिक राजेश शर्मा ने भी सामाजिक जनो को संबोधित किया।

मंच संचालन परिक्षेत्र उपाध्यक्ष मुकेश साहू ने किया। अंत में आभार व्यक्त ग्रामीण अध्यक्ष बल्दू साहू ने किया। इस अवसर पर रंजीत साहू, अरुण साहू, युगल साहू, तिलक साहू, अजय साहू, परमेश्वर साहू, सुकलाल साहू, गिरधारी साहू, छम्मन साहू, लोकेश साहू सहित बड़ी संख्या में सामाजिक गण उपस्थित थे।

डीडी कालोनी आरंग में भागवत कथा शुरू

आरंग। स्थानीय साहु भवन दीनदयाल कालोनी में श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हो गया है। श्री भागवत कथा के आयोजक शंकर व रमेश अग्रवाल ने बताया कि भागवत कथा का वाचन प्रेम भईयाजी महाराज वृन्दावनधाम द्वारा किया जा रहा है। परायणकर्ता हरिनारायण शास्त्री है। प्रतिदिन भागवत कथा का समय शाम 5 बजे से कथा समाप्ति तक है। सोमवार को भगवान श्री कृष्ण जी का जन्मोत्सव मनाया गया। कथा वाचक प्रेम भईया ने भगवान श्री कृष्ण जी के बाल लीला का सुंदर वर्णन करते हुए कहा कि लोग यह सोचते हैं कि हम बुढ़ापे में भजन कीर्तन करेंगे।लोगों का यह सोच सही नहीं है। बचपन से ही भजन कीर्तन प्रारंभ करना चाहिए जिससे बुढ़ापे में कष्ट न हो। उन्होंने कहा कि हरि का भजन करेंगे तो हरि भी हमारा हो जाएगा। जिस स्थान में कथा होता है वह स्थान भी पाप से मुक्त हो जाता है। माता-पिता अपने बच्चों का नामकरण रखने में भी विशेष सावधानी रखना चाहिए जिससे भविष्य में समस्या उत्पन्न न हो।

खबर संक्षेप

शिविर में आंखों की जांच निशुल्क चश्मा वितरण

रायपुर। विधायक राजेश मूणत के जन्मदिन के अवसर पर डीडी नगर में पार्षद आशु चंद्रवंशी द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 300 के करीब पंजीकृत नागरिकों का स्वास्थ्य चेकअप किया गया, जिसमें 283 नागरिकों को आवश्यकता अनुसार निःशुल्क चश्मा वितरित किया गया। अमृतम स्वास्थ्य संस्था के सौजन्य से आयोजित इस शिविर का शुभारंभ रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया एवं सभी नागरिकों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस अवसर पर भाजपा दीनदयाल मंडल के अध्यक्ष दिनेश तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष नवीन शर्मा, जिला उपाध्यक्ष गोपी साहू सहित नागरिक मौजूद रहे।

धान की नीलामी के रेट आज खोले जाएंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार 35 लाख मीट्रिक टन धान की खुली नीलामी करने जा रही है। नीलामी इस बार बिना कोई न्यूनतम मूल्य (बेस रेट) तय किए, सबसे अधिक बोली लगाने वाले से सौदा किया जाएगा। यानी खरीदार खुद धान की कीमत तय करेंगे। 17 से 23 अप्रैल तक नीलामी के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी की गई। अब मंगलवार 29 अप्रैल को ऑनलाइन बोली शुरू होगी। 33 जिलों में से 30 जिलों संग्रहण केंद्रों में रखे धान की नीलामी की जा रही है। वर्ष 2024-25 में छत्तीसगढ़ सरकार ने 25.49 लाख किसानों से 149 लाख टन धान की खरीदी की थी। इसमें से 123 लाख टन धान को एफसीआई और नागरिक आपूर्ति निगम के जरिए कस्टम मिलिंग के लिए भेजा जा चुका है। शेष 35 लाख टन धान अब भी संग्रहण केंद्रों में पड़ा है। मार्कफेड ने जानकारी दी है कि यह नीलामी "जैसे हैं, वैसे की स्थिति" में की जाएगी और ई-ऑक्शन के जरिए प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके लिए 17 से 23 अप्रैल को टेंडर प्रक्रिया पूरी कह गई। अब रेट मंगलवार को खोले जाएंगे। देखना है कि इसमें किस दर पर धान की नीलामी तय होती है।

15 जून तक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू करें

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा व्यवस्था को लेकर एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है। पत्र में प्रदेश के स्कूलों में 57,000 शिक्षकों और कॉलेजों में 2,160 प्रोफेसरों के पद रिक्त होने की बात कही गई है। रिक्त पदों के कारण छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में इन पदों पर भर्ती का वादा किया था। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार को बने 16 महीने हो चुके हैं। अभी तक शिक्षा के इस अहम मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने मांग की है कि सरकार 15 जून से पहले भर्ती प्रक्रिया शुरू करे। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर 15 जून तक भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं होती है, तो एनएसयूआई प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

एक मई को भाजपा की बड़ी कार्यशाला, आएंगे पूर्व केंद्रीय मंत्री, सीएम सहित पूरा मंत्रिमंडल, सांसद, विधायक भी रहेंगे

वक्फ बोर्ड बिल को लेकर चलाए जाने वाले जनजागरण अभियान को लेकर बनेगी रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

वक्फ संशोधन बिल को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने देशभर में जनजागरण अभियान चलाने का फैसला किया है। इस अभियान को प्रारंभ करने से पहले सभी राज्यों में राज्य संगठनों की कार्यशाला की जा रही है। छत्तीसगढ़ में कुशाभाऊ ठाकरे परिसर रायपुर में पहले 25 अप्रैल को कार्यशाला रखी गई थी, लेकिन इसको स्थगित कर दिया गया था, अब इसको एक मई को करने का फैसला किया गया है। इस कार्यशाला में पूर्व केंद्रीय मंत्री राधा मोहन सिंह आएंगे। पहले इसमें भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और जनजागरण अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी दुष्यंत गौतम आने वाले थे। इस कार्यशाला में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, पूरा मंत्रिमंडल, सभी विधायक, सांसद और प्रदेश के सभी जनप्रतिनिधि रहेंगे।

वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा और राज्यसभा में पास होने तथा राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के बाद अब यह कानून बन गया है, लेकिन यह मामला सुप्रीम कोर्ट भी चला गया है। इधर इसका विरोध भी हो रहा है। ऐसे में अब भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने तय किया है कि देश के हर राज्य में इस बिल के संबंध में जन जागरण अभियान चलाया जाए। इसके लिए मई से जनजागरण अभियान चलाने का फैसला किया गया है।

कार्यशाला में बनेगी रणनीति

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में एक मई को सुबह 11 बजे से होने वाली कार्यशाला में पूर्व केंद्रीय मंत्री राधा मोहन सिंह, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश के सभी मंत्री, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, प्रदेश के संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश के सभी पदाधिकारी, कोर कमेटी, सभी सांसद, विधायक, नगर निगमों के महापौर, सभापति, नगरपालिका, नगर पंचायतों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिला पंचायतों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, सभी जनप्रतिनिधि, सभी जिला अध्यक्ष, जिले-संभाग के प्रभारी, मोर्चा के अध्यक्ष, प्रकोष्ठ के संयोजक, जन जागरण अभियान के लिए बनाई गई समिति के सदस्य शामिल होंगे। कार्यशाला में यह रणनीति तय होगी कि किस तरह से मुस्लिम समुदाय के घर-घर जाकर वक्फ बिल के बारे में जानकारी देनी है और बताना है कि यह मुस्लिम समुदाय के लिए कितना फायदेमंद है। पहले जन जागरण का आयोजन जिला स्तर पर होगा, इसके बाद मंडलों में भी कार्यक्रम होंगे। कार्यशाला में पूर्व केंद्रीय मंत्री राधा मोहन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, संगठन महामंत्री पवन साय, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल का मार्गदर्शन मिलेगा।

जिले में नामांतरण के 13 हजार प्रकरण पेंडिंग, इनमें 11 हजार से अधिक अविवादित फिर भी निराकरण में देर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले की तहसीलों में नामांतरण के करीबन 13 हजार प्रकरण लंबित हैं। इन प्रकरणों में 11 हजार से अधिक प्रकरण अविवादित हैं। इसके बाद भी प्रकरणों के निराकरण करने में देर की जा रही है। विभागीय अधिकारी के अनुसार अविवादित नामांतरण के प्रकरण एक माह के भीतर निराकरण किए जाने का नियम है। इसके बाद भी कई प्रकरणों के निराकरण समय-सीमा खत्म होने के बाद नहीं किए गए हैं। जिले में ऐसे सैकड़ों अविवादित प्रकरण हैं, जिनका निराकरण समय सीमा खत्म होने के बाद भी नहीं किया गया हैं।

75 प्रतिशत प्रकरण पंजीयन विभाग से रजिस्ट्री के बाद फारवर्ड किए गए

तहसीलों में नामांतरण के लंबित प्रकरणों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इनमें पंजीयन विभाग से रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए फारवर्ड किए गए प्रकरणों के अलावा किसी परिवार में प्रॉपर्टी का बंटवारा के बाद नामांतरण, मुखिया की मौत के बाद नामांतरण, कई प्रकरण ऐसे भी जिनमें रजिस्ट्री होने के बाद उस पर आपत्तियां लगाई गई हैं। हालांकि इनमें करीब 75 प्रतिशत प्रकरण ऐसे हैं, जो पंजीयन विभाग से रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए फारवर्ड किए गए हैं।

तहसीलवार लंबित प्रकरणों की स्थिति

तहसील	विवादित	अविवादित	कुल
रायपुर	929	5373	6302
धरसींवा	59	1332	1391
आरंग	257	644	901
मंदिर हसौद	18	579	597
अभनपुर	155	993	1148
गोबरानवापारा	88	593	691
खरोरा	37	545	582
तिल्दा	84	554	638

1660 प्रकरण विवादित, 90 दिनों में निराकरण का नियम पर कई सालों से लंबित

जिले में नामांतरण के करीब 1300 प्रकरणों में 1660 प्रकरण विवादित हैं। गाइड लाइन के अनुसार विवादित प्रकरण के निराकरण की समय-सीमा 90 दिन है। इस तरह किसी भी तरह तहसील में विवादित नामांतरण के प्रकरण को भी 90 दिनों के भीतर निराकरण करना होता है, लेकिन जिले में ऐसे सैकड़ों प्रकरण हैं, जिनका निराकरण पिछले कई वर्षों से नहीं हो पाए हैं। इन प्रकरणों के पक्षकारों को बार-बार तहसील कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

सीमांकन के 823 प्रकरण लंबित

जिले में नामांतरण के अलावा सीमांकन के भी 823 प्रकरण लंबित हैं। इनमें भी 195 प्रकरण ऐसे हैं, जिनके निराकरण किए जाने की समय-सीमा खत्म हो गई है। इसके बाद भी इनका निराकरण नहीं किया गया है। इन लंबित प्रकरणों में भी सबसे ज्यादा 302 प्रकरण रायपुर तहसील में लंबित हैं। इसी प्रकार धरसींवा में 82, आरंग में 52, मंदिर हसौद में 61, अभनपुर में 80, गोबरानवापारा में 198, खरोरा में 24 एवं तिल्दा में 823 प्रकरण लंबित हैं।

निर्देश दिए हैं, तेजी से किया जा रहा निराकरण

तहसील कार्यालयों में नामांतरण, सीमांकन सहित राजस्व के सभी लंबित प्रकरणों के निराकरण के काम में तेजी लाने निर्देश दिए हैं। इसके तहत तहसीलदार अवकाश के दिनों में भी काम कर रहे हैं, जिससे लंबित प्रकरणों की संख्या तेजी से घट रही है।

\- डा. गौरव कुमार सिंह, कलेक्टर रायपुर

रेलवे के बुकिंग ऑफिस की तर्ज पर डीकेएस की ओपीडी में लगेगा टोकन डिस्प्ले सिस्टम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डीके अस्पताल आने वाले मरीजों को ओपीडी पर्ची के लिए अब लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। वहां के ओपीडी काउंटर में रेलवे स्टेशन के बुकिंग ऑफिस की तरह टोकन डिस्प्ले सिस्टम लगाया जाएगा। अस्पताल के औचक निरीक्षण पर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इसके निर्देश दिए। उन्होंने वार्डों में बिगड़ी एसी पर नाराजगी जताई और सुधार के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम भी दिया।

स्वास्थ्य मंत्री सोमवार सुबह अचानक डीके अस्पताल पहुंचे। उन्होंने ओपीडी की व्यवस्था के साथ वार्डों में जाकर भर्ती मरीजों से उपचार सुविधा का फीड बैक लिया। ओपीडी पर्ची के लिए लगी लाइन को देखकर मरीजों की सुविधा के लिए उन्होंने काउंटर में डिस्प्ले बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। इससे मरीज अपनी बारी में काउंटर पर जाकर प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न वार्डों में जाकर भर्ती मरीजों से अस्पताल के उपचार

सुविधा की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने पाया कि अस्पताल के कई वार्डों में एयर कंडीशनर (एसी) खराब हैं, जिसके कारण मरीजों को गर्मी में असुविधा हो रही है। इसे गंभीरता से लेते हुए जायसवाल ने अस्पताल प्रबंधन को 24 घंटे के भीतर सभी खराब एसी को ठीक करने या नया एसी लगाने के निर्देश दिए। जायसवाल ने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और आरामदायक वातावरण प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है और ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पीएम आवास से संबंधित कार्यों की रीयल टाइम ट्रैकिंग पर मुख्यमंत्री साय का जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को मंत्रालय में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा, पंचायतों को सशक्त बनाकर राज्य के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पंचायतें हमारी विकास यात्रा की पहली कड़ी हैं और ग्रामीण विकास के लिए संचालित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रत्येक गरीब परिवार को पक्का आवास देने का जो संकल्प लिया गया है, उससे जुड़े सभी कार्य समय-सीमा में पूरे किए जाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मोर दुआर-साय सरकार अभियान के अंतर्गत चल रहे सर्वेक्षण कार्य की समीक्षा करते हुए 20 लाख से अधिक परिवारों के सर्वेक्षण पूर्ण होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के लिए स्वीकृत आवासों के समय पर निर्माण और सतत समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, पीएम आवास से संबंधित कार्यों की रियल टाइम ट्रैकिंग पर विशेष जोर देते हुए किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायत होंगी सम्मानित

मुख्यमंत्री श्री साय ने मनरेगा के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक रोजगार सृजन और कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने पंचायती राज दिवस पर आरंभ मोर गांव मोर पानी महाअभियान के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने और उसमें भू-जल पुनर्भरण एवं जलग्रहण विकास के लिए जीआईएस तकनीक के समावेश के निर्देश दिए। उन्होंने त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रतिनिधियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों को पंचायती राज दिवस पर सम्मानित करने की योजना पर भी चर्चा की।

नियद नेल्लानार योजना से ग्रामीणों को मिला नया संबल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक ने जानकारी दी कि नियद नेल्लानार योजना के तहत ग्राम पंचायतों में मनरेगा के अंतर्गत 6,324 नए जॉब कार्ड बनाए गए हैं। बस्तर संभाग की 4 ग्राम पंचायतों के 8 गांवों में पहली बार योजना के अंतर्गत कार्य प्रारंभ हुए हैं। साथ ही 913 जॉब कार्डधारी परिवारों के 3,134 सदस्यों को पहली बार मनरेगा में रोजगार मिला है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना के माध्यम से नियद नेल्लानार योजना में शामिल गांवों के युवाओं के लिए प्राथमिकता से भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करने पर अपनी खुशी जाहिर की और इसे निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए।

आने वाले दस सालों की जरूरत के हिसाब से पानी की व्यवस्था पर हो काम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में आयोजित बैठक में विभाग द्वारा किए जा रहे बड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष की प्राथमिकताओं पर चर्चा कर विभाग द्वारा संचालित केंद्र और राज्य शासन की योजनाओं के मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन की भी जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव और मुख्य सचिव अमिताभ जैन भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को शहरों में आने वाले दस वर्षों की जरूरत के हिसाब से पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की कार्ययोजना बनाने और उन पर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहरों के आउटर में विकसित हो रहे नए रिहायशी इलाकों में प्राथमिकता से उद्यान बनाने को कहा, ताकि बच्चों को खेलने-कूदने तथा बड़े-बुजुर्गों को वॉकिंग, जॉगिंग, योग और शारीरिक व्यायाम के साथ ही आमोद-प्रमोद की जगह सुलभ हो सके। मुख्यमंत्री ने सभी नगरीय निकायों में अटल विश्वास पत्र पर प्रमुखता से अमल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, शहरों को सुंदर और स्वच्छ बनाने जन भागीदारी बढ़ाने के साथ ही इंदौर जैसे बेहतर सफाई व्यवस्था वाले शहरों में नगर निगमों के आयुक्तों को अध्ययन के लिए भेजें।

■ मुख्यमंत्री ने नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा की

ग्रामीण क्षेत्रों बुनियादी सुविधाए विकसित करें

मुख्यमंत्री ने नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा, शहरी आबादी से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में अन्य विभागों से समन्वय बनाकर बुनियादी शहरी सुविधाएं विकसित करें। इससे निकट भविष्य में समीपवर्ती ग्रामीण इलाकों के नगरीय निकाय में शामिल होने या नए नगरीय निकाय के रूप में अस्तित्व में आने पर शहरों के मुताबिक व्यवस्थाएं और जन सुविधाएं विकसित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, निर्माण और विकास कार्यों की प्रगति की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए एप या ऑनलाइन सिस्टम तैयार करें।

सरकारी दफ्तरों में ई-ऑफिस सिस्टम लागू, पर डाक हार्डकापी में आई तो क्या करेंगे, सरकार ने समझाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ का मंत्रालय, विभागाध्यक्ष भवन सहित जिलों के सभी बड़े सरकारी दफ्तरों में ई ऑफिस सिस्टम लागू कर दिया गया। यानी सारी फाइलें ई सिस्टम के माध्यम से ऑनलान चलेंगी। यही नहीं कोई विभाग अगर पत्र भी भेजेगा तो वह ई मेल से। ऐसे में अगर कोई दस्तावेज हार्ड कॉपी के रूप में आता है, तो उसका निपटारा कैसे किया जाएगा। यही सवाल शासकीय कर्मियों के मन में भी होगा, लेकिन अब सरकार ने इसका हल निकाला है। इस काम के लिए अब रिसीप्ट मॉड्यूल का उपयोग किया जाएगा। इस मामले को लेकर सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के सभी विभागों, राजस्व मंडल बिलासपुर, सभी विभागाध्यक्ष, सभी संभागीय आयुक्त, सभी कलेक्टर छत्तीसगढ़ को रिसीप्ट मॉड्यूल के उपयोग के बारे में समझाया और उसका पालन करने का तरीका बताया गया है।

भौतिक डाक मिले तो क्या करें बड़े अधिकारी

निर्देश में कहा गया है कि अगर भारसाधक सचिव, कार्यालय प्रमुख अथवा डाक प्राप्तकर्ता अधिकारी को भौतिक डाक मिले तो क्या करना है। डाक की भौतिक प्रति प्राप्त होने पर, उसे अधिकारी द्वारा चिह्नित और हस्ताक्षरित किया जाना होगा। हस्ताक्षरित डाक को निज स्टॉफ द्वारा स्कैन करके ई ऑफिस के रिसीट सेक्शन में अपलोड किया जाना होगा। उसके बाद निज स्टॉफ द्वारा ऑनलाईन रिसीट को चिन्हित अधिकारी को भेजना होगा।

राज्य के सभी बड़े कार्यालय में लागू है नया सिस्टम | अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए सरकार के निर्देश

निज स्टॉफ के हिस्से होगा ये काम

डाक की भौतिक प्रति प्राप्त होने पर, निज स्टॉफ द्वारा डाक को स्कैन कर ई-ऑफिस सिस्टम में रिसीट बनाया जाना होगा। निज स्टॉफ द्वारा रिसीट को ई-ऑफिस के माध्यम से संबंधित अधिकारी को ऑनलाईन भेजना होगा। अधिकारी द्वारा रिसीट को ई-ऑफिस सिस्टम में संबंधित अधिकारी को ऑनलाईन अग्रेषित करेंगे। इसके साथ ही ये विकल्प भी है कि अधिकारी के द्वारा स्वयं भी भौतिक डाक को स्कैन कर ई ऑफिस में अपलोड कर रिसीप्ट मॉड्यूल में में संबंधित अधिकारी या कर्मचारी को भेजा जा सकेगा।

अधीनस्थ अधिकारियों को ये करना होगा

ऑनलाइन प्राप्त रिसीट को विभाग के अधीनस्थ अधिकारी द्वारा ई ऑफिस के माध्यम से अन्य अधिकारी या कर्मचारी को अग्रेषित किया जाएगा। या अधिकारी द्वारा रिसीट्स को निज स्टॉफ को अग्रेषित किया जा सकेगा। निज स्टॉफ के द्वारा रिसीट्स को कार्यवाही हेतु संबंधित अधीनस्थ अधिकारी या कर्मचारी को फारवर्ड किया जा सकेगा।

ऐसे होगा डाक प्रबंधन

डाक प्रबंधन के संबंध में निर्देश हैं कि कार्यालय में प्राप्त भौतिक डाक की पंजीकरण प्रक्रिया हमेशा ई-ऑफिस के 'रिसीट सेक्शन में की जानी चाहिए, न कि लेटर सेक्शन में। ई-ऑफिस रिसीट के लिए सिस्टम द्वारा जनरेट कंप्यूटर नबर को, स्कैन की गई दस्तावेजों की भौतिक प्रति पर लिखा जाना चाहिए। मध्यस्थ अधिकारी ई-ऑफिस में डाक चिह्नित (मार्किंग) करेंगे, इसलिए भौतिक दस्तावेज सीधे अनुभाग (सेक्शन) में भेजे जा सकते हैं। इससे डाक मार्किंग में पुनरावृत्ति नहीं होगी।

पारिश्रमिक की राशि ऑनलाईन सीधे बैंक खातों में

तेन्दूपत्ता संग्रहण शुरू, 22 हजार मानक बोरा हुआ जमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य में तेन्दूपत्ता संग्रहण का कार्य तेजी से शुरू हो चुका है। बस्तर संभाग के सुकमा, दंतेवाड़ा और जगदलपुर जिला यूनियन में 28 अप्रैल तक 22 हजार मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहित हो चुका है। तेन्दूपत्ता एवं लुघ वनोपज के संग्राहकों को संग्रहण पारिश्रमिक की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ऑनलाईन भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

इसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा एक सॉफ्टवेयर ऑनलाईन एमएफपी कलेक्शन एण्ड पेमेंट सिस्टम तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में राज्य में तेन्दूपत्ता संग्राहकों को प्रति मानक बोरा 5500 रुपए का पारिश्रमिक भुगतान किया जा रहा है।

5500 रुपए प्रति मानक बोरा दर

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्य में तेन्दूपत्ता संग्रहण की पारिश्रमिक दर 4000 रूपए प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 5500 रूपए प्रति मानक बोरा कर दी गई है। इसका लाभ संग्राहकों को वर्ष 2024 से ही मिल रहा है। राज्य में इस साल 16 लाख 72 हजार मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य है। इस लक्ष्य की पूर्ति होने पर राज्य के लगभग 14 लाख संग्राहक परिवारों को लगभग 920 करोड़ रूपए की राशि पारिश्रमिक के रूप में भुगतान की जाएगी।

16 लाख 72 हजार मानक बोरा का है लक्ष्य

यहा यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में राज्य में तेन्दूपत्ता संग्रहण का कार्य 31 जिला वनोपज सहकारी यूनियनों के अंतर्गत संचालित 902 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के 954 लाटों में किया जा रहा है। राज्य में इस साल 16 लाख 72 हजार मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का अनुमानित लक्ष्य है, जिसमें से 5 लाख 64 हजार मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण बस्तर संभाग में होना है। यहां यह उल्लेखनीय है कि राज्य की 21 जिला यूनियनों की 868 समितियों के समस्त 661 लॉटों की अधिसूचित मात्रा 10.08 लाख मानक बोरा तेन्दूपत्ता का अग्रिम विक्रय 767 करोड़ रुपए में किया जा चुका है।

अब आमजन भी देख सकेंगे दवा आपूर्ति और अस्पताल निर्माण की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अब आम आदमी भी सरकारी अस्पतालों में दवा आपूर्ति और वहां होने वाले निर्माण कार्यों की जानकारी रख सकेगा। सीजीएमएससी द्वारा इसके लिए बनाए गए ड्रग प्रोक्योरमेंट एंड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (डीपीडीएमआईएस) पोर्टल को सार्वजनिक कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश में बनाए गए इस पोर्टल के माध्यम से प्रदेश के मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, सीएचसी या पीएचसी में दवा और चिकित्सीय उपकरणों की

सीजीएमएससीएल ने विकसित किया डीपीडीएमआईएस पोर्टल

आपूर्ति, वितरण, स्टॉक की स्थिति और यहां तक कि निर्माणाधीन अस्पताल भवनों की प्रगति को भी रियल-टाइम में देखा जा सकता है। इसके अलावा दवा एवं उपकरण खरीद से संबंधित सभी निविदाएं, स्वीकृत आपूर्तिकर्ता और अनुबंध मूल्य सूची सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होगी। दवाओं की डिलीवरी, स्टॉक की वर्तमान स्थिति और लंबित मांग की जानकारी दिन-प्रतिदिन अपडेट हो रही है। इसके अलावा दवा परिवहन में लगे वाहनों की लाइव लोकेशन और उनके रूट की जानकारी भी नागरिक देख सकते हैं। दवा निगम की एमडी पद्मिनी भोई ने बताया कि पोर्टल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की दक्षता में अभिवृद्धि करेगा, बल्कि कार्य में पारदर्शिता, भ्रष्टाचार नियंत्रण तथा नागरिकों के विश्वास में वृद्धि हेतु एक प्रभावशाली माध्यम सिद्ध होगा। यह पहल छत्तीसगढ़ राज्य में सुशासन की दिशा में एक अनुकरणीय प्रयास है, जो भविष्य की स्वास्थ्य सेवा योजनाओं को सशक्त आधार प्रदान करेगी।

बोरवेल करने सौ के करीब आवेदन, नहीं मिली अनुमति, नियमित हो रही दो दर्जन से ज्यादा खुदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गर्मी के दिनों में जिला प्रशासन की अनुमति के बगैर बोरवेल खुदाई करने पर रोक है। इसकी वजह वाटर लेवल का नीचे जाना है। अप्रैल से 15 जून के बीच बोरवेल खुदाई करने जिला प्रशासन से अनुमति लेना अनिवार्य है। जिला प्रशासन विशेष परिस्थिति में बोरवेल की खुदाई करने अनुमति देता है। बावजूद इसके शहर के साथ अलग-अलग ग्रामीण क्षेत्रों में बोरवेल का काम करने वाले ज्यादा पैसे लेकर बोरवेल खुदाई कर रहे हैं।

एडीएम देवेंद्र पटेल के अनुसार बोरवेल करने सौ के करीब आवेदन आए हैं। उनमें से किसी को बोरवेल करने अनुमति नहीं दी गई है। इस संबंध में रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह से संपर्क किया गया, तो उनका कहना है बगैर अनुमति जहां बोरवेल के लिए खुदाई की जा रही है, शिकायत मिलने पर कार्रवाई करेंगे। बोरवेल खुदाई करने वाले लोग दिन के बजाय रात के समय बोरवेल के लिए खुदाई करने का काम करते हैं। इसकी वजह रात के समय बोरवेल की खुदाई करने पर किसी की नजर नहीं पड़ती।

अफसर बोले- कहां हो रही खुदाई, जानकारी देने पर करेंगे कार्रवाई

बोर करने आठ से दस हजार वसूल रहे

एक बोरवेल की खुदाई करने में पांच से छह हजार रुपए का खर्च आता है। ऑफ सीजन में बोरवेल के लिए खुदाई करने वाले संचालक बोरवेल करने आठ से दस हजार रुपए वसूल रहे हैं। उनके खिलाफ कोई शिकायत न करें, इसके लिए स्थानीय स्तर पर नेताओं तथा संबंधित थानों को पैसे देकर बोरवेल खुदाई करने का काम कर रहे हैं।

बगैर अनुमति बोरवेल करने पर जब्ती

अप्रैल से 15 जून के बीच बगैर अनुमति बोरवेल के लिए खुदाई करने पर बोरवेल वाहन की जब्ती की कार्रवाई के साथ रजिस्ट्रेशन रद्द करने का प्रावधान है। बावजूद इसके अवैध रूप से बोरवेल करने वालों को प्रशासन का खौफ नहीं और प्रशासन के नाक के नीचे बोरवेल करने का काम कर रहे हैं।

इसलिए बोरवेल खुदाई पर रोक

गर्मी के दिनों में वाटर लेवल तय मानक से काफी नीचे चला जाता है। ऐसे में बोरवेल खनन करने पर वाटर लेवल के और नीचे जाने का खतरा रहता है। इस वजह से गर्मी के दिनों में बोरवेल खनन करने रोक लगाई गई है। लोग पानी का ज्यादा स्त्रोत मिल पाए इसलिए बारिश, ठंड के बजाय गर्मी के दिनों में बोरवेल कराना चाहते हैं।

दो दर्जन से ज्यादा बोरवेल की खुदाई

एक बोरवेल संचालक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि राजधानी में दूसरे राज्य के लोग आकर बगैर अनुमति लिए जिले के अलग-अलग इलाकों में बगैर अनुमति बोरवेल खुदाई कर रहे हैं। इसके चलते जो स्थानीय स्तर पर बोरवेल के काम करते हैं, उन्हें सीजन में बोरवेल का काम नहीं मिल पाता।

चंदनीडीह, अटारी, उरला, सिलतरा के कुछ हिस्सों में 1000 फीट गहराई पर पानी

शहर सहित आउटर में गिरा भूजल स्तर दर्जनभर इलाके सेमी क्रिटिकल जोन में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी सहित आसपास के आउटर इलाके में लगातार हो रहे बोरवेल खनन से भूजल स्तर में तेजी से गिरावट आई है। दर्जनभर इलाके ऐसे हैं, जिसे भूजल वैज्ञानिक ने सेमी क्रिटिकल जोन करार दिया है। वहीं शहर से लगे चंदनीडीह, भनपुरी, उरला, सिलतरा के कुछ हिस्सों में 1000 फीट गहराई तक पानी चला गया है। राजधानी के पॉश इलाके शंकरनगर, अवंतिविहार, सड्डू, कचना, दलदल सिवनी, डूंडा, विधानसभा का जीरो पाइंट इलाका ऐसा है, जहां पहले 400 से 500 फीट बोरवेल खनन पर पानी मिलता था, आज उन इलाकों में 600 से 800 फीट तक ग्राउंड वाटर का लेवल चला गया है, जबकि शहर के कुछ पुराने रहवासी इलाके अभी सेफ जोन में हैं, जहां 300 फीट में पर्याप्त पानी मिलने की स्थिति बरकरार है।

- खमतराई, भनपुरी, अवंतिविहार, शंकरनगर, सड्डू, दलदल सिवनी में ग्राउंड वाटर 600 से 800 फीट

शहर में तेजी से गहराते जल संकट और राजधानी सहित आसपास के इलाकों में निजी कालोनियों के तेजी से विकास के चलते अंधाधुंध भूजल दोहन ने भूजल वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है। दर्जनभर रहवासी इलाके को सेमी क्रिटिकल जोन की श्रेणी में माना गया है। इसमें शंकरनगर, अवंतिविहार, राजीवनगर, अनुपम नगर, शिवानंद नगर, श्रीनगर खमतराई, भनपुरी, उरला, दलदलसिवनी, सड्डू, सेमरिया में डीपीएस स्कूल के पास वाला इलाका, चंदनीडीह शामिल है। यहां बोर खनन में 600 से 800 फीट गहराई में पानी की उपलब्धता है।

सेफ जोन में शहर के ये इलाके

300 से 400 फीट : तात्यापारा, कंकालीपारा, ब्राम्हणपारा, अवधियापारा, आजाद चौक, हांडीपारा, समता कालोनी, चौबे कालोनी, गीतानगर, सदरबाजार, सत्ती बाजार, रामसागरपारा, बढ़ई पारा, बूढ़ापारा, पचपेड़ी नाका, भाठागांव, संतोषी नगर, लक्ष्मीनगर, भैरव सोसाइटी,दावड़ा कालोनी, सरोना, रायपुरा,डीडीनगर, सुंदरनगर,चंगोराभाठा, डगनिया, शांतिविहार, विनायक विहार, लाखेनगर का क्षेत्र।

किस इलाके में कितना फीट नीचे पानी

- *800 से 1000 फीट*: चंदनीडीह, अटारी, उरला के कुछ हिस्से, सिलतरा, सेमरिया।
- *600 से 800 फीट*: शंकरनगर, अनुपमनगर, राजीवनगर, अवंतिविहार, शिवानंद नगर, श्रीनगर खमतराई, भनपुरी, सड्डू, मोवा, दलदल सिवनी, कचना, डूंडा, सेजबहार,जीरो पाइंट विधानसभा, फुंडहर, दोंदेखुर्द, सिविल लाइन, जलविहार कालोनी, श्यामनगर।
- *400 से 600 फीट*: शांतिनगर, न्यूशांतिनगर, शैलेंद्रनगर, टैगोरनगर, लभांडी, भावना नगर, गीतांजलि नगर, तेलीबांधा क्षेत्र, राजेंद्रनगर, देवपुरी, डूमरतराई, लालपुर, कौशिल्याविहार, प्रियदर्शिनी नगर, कटोरातालाब क्षेत्र।

भूजल विशेषज्ञ का व्यू

हर साल 50 फीट से अधिक नीचे जा रहा ग्राउंड वाटर लेवल

राजधानी में हर साल 50 फीट से भी अधिक भूजल स्तर में गिरावट आ रही है। इसकी मुख्य वजह वर्षा जल संग्रह के प्रति लापरवाही और कंक्रीटीकरण प्रमुख है। प्राकृतिक स्त्रोतों से भूजल का लगातार दोहन हो रहा है। भवन निर्माण के समय रैनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से लगाने का सिस्टम विकसित करने की जरूरत है। - ***विपिन दुबे**, भूजल विशेषज्ञ, रायपुर*

कचना, चंदनीडीह, सोनडोंगरी में 600 फीट में पानी

शहर के लभांडी, कचना, सोनडोंगरी, चंदनीडीह इलाके में भूजल स्तर में गिरावट आई है। यहां बोरवेल खनन कराने पर 600 फीट गहराई में पानी की उपलब्धता देखी गई है। - ***नरसिंग फरेंद**, कार्यपालन अभियंता, जल विभाग*

रीचार्ज एरिया में शहरीकरण से भूजल गिरावट

शहर के भूजल स्तर में गिरावट की प्रमुख वजह रिचार्ज एरिया में शहरीकरण होना है। जमीन के अंदर पानी रिसकर नहीं पहुंच पा रहा है। मुरम वाले ग्राउंड में जहां पीली मिट्टी की परत है वहां वर्षा जल रिस नहीं पाता। हमारे यहां 1200 मिलीमीटर वर्षा होती है ,जो कि पर्याप्त है पर इसे संरक्षित करने ठोस प्लानिंग की जरूरत है। सड्डू , मोवा, दलदल सिवनी में इसीलिए भूजल स्तर में गिरावट आई है। - ***प्रोफेसर निनाद बोधनकर**, भूविज्ञान एवं जल प्रबंध रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर*

कचना, मोवा सड्डू, पिरदा ड्राइ एरिया, 600 से 800 फीट में पानी

कचना, सड्डू, मोवा, दलदल सिवनी ड्राई एरिया है यहां बोरवेल खनन में 600 से 800 फीट में पानी मिलता है। इसी तरह पिरदा की भी यही स्थिति है। वाटर लेवल बढ़ाने बारिश में जिस स्थान पर जलभराव होता है , उसके आसपास शासन स्तर पर सोखता गड्ढा बनाकर जाली लगा दी जाये तो भूजल स्तर बढ़ेगा। - ***गौरीशंकर दुबे**, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ बोरवेल एसोसियेशन*

आतंकी हमले में शहीद दिनेश मरानिया को दी श्रद्धांजलि, रवि भवन रहा बंद

रायपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले में रायपुर के युवा व्यापारी दिनेश मिरानिया सहित अनेक निर्दोष सैलानियों की निर्मम हत्या के विरोध में रवि भवन व्यापारी संघ, रायपुर के आह्वान पर सोमवार को दोपहर 1 बजे तक रवि भवन परिसर की समस्त दुकानें एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान पूर्णतः बंद रखे गए। व्यापारियों ने रायपुर के दिनेश मिरानिया सहित सभी मृतकों को श्रद्धांजलि दी। रवि भवन ऑडिटोरियम में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में दिवंगत दिनेश मिरानिया के परिवारजन भी उपस्थित रहे।

सभा में रायपुर शहर के अनेक व्यापारी, वरिष्ठ सामाजिक एवं व्यापारिक संगठन प्रतिनिधि सम्मिलित हुए और सभी ने पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। सभा में वक्ताओं ने इस भीषण आतंकी घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा, अब आतंकवादियों के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई का समय आ गया है। रवि भवन व्यापारी संघ के अध्यक्ष जय नानवानी ने बताया, हमारे संघ और समस्त व्यापारियों ने केंद्र सरकार से मांग की है कि हमले में मारे गए सभी निर्दोष नागरिकों को शहीद का दर्जा दिया जाए। मृतकों के परिवारों को पर्याप्त आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। पीड़ित परिवारों के योग्य सदस्यों को शीघ्रता से सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। आतंकवाद के खिलाफ सख्त एवं निर्णायक कार्रवाई करते हुए दोषियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया जाए।

खबर संक्षेप

छत्तीसगढ़ बॉडी बिल्डर और पॉवर लिफ्टिंग की टीम चयनित

रायपुर। छत्तीसगढ़ बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन और पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को ताम्रकार प्लेटिनम फिटनेस जिम लाखेनगर में बॉडी बिल्डिंग और पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में 51000 कैश एवं सभी विजयी खिलाड़ियों को कप और मैडल से सम्मानित किया गया। छग बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के महासचिव मानिक ताम्रकार और छग पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन के महासचिव प्रदीप क्षत्रिय ने बताया कि इस प्रतियोगिता में छग की बॉडी बिल्डर एवं पॉवर लिफ्टिंग की टीम चयनित हुई। चयनित बॉडी बिल्डर में सन्नी साहू, लीलाराम नेताम, कन्हैयालाल यादव, परमानंद टांडी, डोमेंद्र साहू, छगन साहू, कुबेर यादव, भरत मंडावी, संजय ध्रुव, प्रवीण जाधव पुरुष वर्ग में, महिला वर्ग से अंशु कटियार चुने गए। इसी प्रकार पॉवर लिफ्टिंग में सब जूनियर स्ट्रांग मैन वेंकटेश्वर साहू, नागेश्वर साहू, जूनियर में अजीत कांसकर, आलोक शर्मा, सोमेश सिंह ठाकुर, राकेश पटेल और सीनियर में विक्की उइके, रवि नेताम, मास्टर वर्ग में रोहित कुमार चौधरी एवं 78 वर्षीय नवीन चंद्र कपूर, महिला वर्ग में आस्था झा चुने गए। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथियों दुर्गेश साहू, प्रोटीन विला के संचालक और विशेष अतिथि श्रवण सिंह ठाकुर सरपंच पाटन एवं पूर्व पार्षद गुढ़ियारी के पुरुषोत्तम देवांगन थे।

पहलगाम शहीदों को दी श्रद्धांजलि, आतंकवाद का पुतला फूंका

रायपुर। महंत लक्ष्मी नारायण दास वार्ड और ब्राह्मण पारा वार्ड के रहवासियों ने पुरानी बस्ती लोहार चौक पर सोमवार को आतंकी हमले में शहीद हुए स्व. दिनेश मिरानिया को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। साथ ही आतंकवाद का पुरजोर विरोध किया और नारे भी लगाए। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद लोहार चौक से लाखेनगर तक कैंडल मार्च निकालकर वहां आतंकवाद का पुतला ईदगाहभाठा मैदान में जलाया गया। भारत माता की जय और वंदेमातरम के नारे से मैदान गूंज उठा। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुरानी बस्ती थाना प्रभारी और पुरानी बस्ती पुलिस सहयोग रहा। कार्यक्रम में रवि सोनकार, राजेंद्र कौशिक, विश्वकर्मा चाचा, चंद्रदेव सोनकर, मोंटू घोष, दीपक यादव सहित वार्ड की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

सतीश बने भारत विकास परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष

रायपुर। राजधानी निवासी सतीश मिश्रा को भारत विकास परिषद को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। इस संबंध में परिषद के प्रमुख पदाधिकारियों की सूची भी जारी की गई है, जिसमें प्रदेशभर से विभिन्न पदों पर नियुक्ति दी गई है।

निधन

होमन कौशल

रायपुर। डीडीनगर रायपुर निवासी होमन कौशल (55) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 28 अप्रैल को महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे खिलेश्वर कौशल एवं रविकांत कौशल की माता थीं।

राजातालाब होगा जलकुंभी मुक्त सफाई शुरू, गहरीकरण होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- वार्ड पार्षद आकाश तिवारी ने सफाई कार्य का लिया जायजा

पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड स्थित राजातालाब जलकुंभी मुक्त होगा। तालाब में फैली जलकुंभी को निकालने और तालाब गहरीकरण करने सहित तले तक इसकी सफाई कराई जायेगी। इसके लिए नगर निगम ने 7 लाख का टेंडर किया है। तालाब से जलकुंभी हटाने का काम सोमवार से शुरू हो गया है। वार्ड पार्षद आकाश तिवारी ने स्थल पर पहुंचकर तालाब सफाई कार्य का जायजा लिया। दरअसल, राजातालाब में जलकुंभी की भरमार होने से वार्डवासियों को निस्तारी के कार्य में परेशानी हो रही थी। तालाब में गाद की मोटी परत जमने से तालाब सूखने लगा था। लोगों की परेशानी को देखते हुए पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड पार्षद आकाश तिवारी ने विगत दिनों नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के समक्ष राजातालाब को नया स्वरूप देने और तालाब में फैले जलकुंभी हटाने सहित गहरीकरण की मांग की थी।

इंद्रावती कालोनी नाले की सफाई देखने पहुंचे आयुक्त

आयुक्त विश्वदीप ने सोमवार को पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड के इंद्रावती कॉलोनी नाले के सफाई कार्य का निरीक्षण किया। नाले की मेनुवल तरीके से सफाई इन दिनों सफाई कराई जा रही है। आयुक्त ने जोन कमिश्नर अरूण ध्रुव को बारिश पूर्व नाला क्षेत्र की सघन सफाई करवाने निर्देश दिये हैं।इस मौके पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेंद्र चंद्राकर सहित निगम कर्मचारी उपस्थित रहे।

पचास किमी. प्रतिघंटे की...

कुछ देर के लिए शहर के कुछ इलाकों में विद्युत व्यवस्था भी प्रभावित रही है।तेज गति की हवा और होने वाली बारिश से जहां गर्मी से राहत मिली, वहीं इसका साइड इफेक्ट भी राजधानी की व्यवस्था पर नजर आ रहा है। सोमवार को दोपहर बाद राजधानी का मौसम बदला और आधे घंटे तक बारिश हुई। बरसात के पहले शहर में काफी तेज गति से हवा चली, जिसकी चपेट में आकर रविवि के समीप ओवरब्रिज के साइड में लगा बिजली पोल सर्विस रोड पर आ गिरा। बताया जाता है कि बिजली पोल गिरने से उसमें लगे बिजली के तार टूटकर सड़क पर झूलने लगे। इस घटना की वजह से ब्रिज के आसपास की विद्युत व्यवस्था बाधित रही। बिजली पोल सर्विस रोड पर गिरा था और उसके तार इधर-उधर लटक रहे थे, जिससे आसपास के लोगों को थोड़ी दहशत हो गई, वहीं कई लोग जान-जोखिम में डालकर वहां से आवाजाही करते रहे। इस घटना की जानकारी संबंधित विभाग के जिम्मेदारों को दी गई, मगर राहत अमला अलर्ट नहीं हो पाया था। दूसरी ओर तेज गति की हवा ने ऊंचाई पर लगे बैनर-पोस्टरों को अपना निशाना बनाया। हवा से पोस्टर फट गए और नीचे से गुजर रहे तारों से जाकर उलझ गए। फ्लैक्स के कारण तारों के चिपकने का खतरा था, जिसकी जानकारी होने पर विद्युत विभाग का अमला शिकायत राहत कार्य में जुटा रहा। इसके अलावा कई इलाकों में विद्युत व्यवस्था भी बाधित हुई, जिसे बहाल करने में काफी वक्त लगा।

डेमोस्ट्रेशन के लिए...

उपकरण लेकर इतने शार्ट नोटिस पर रायपुर आना संभव नहीं है। इस घोटाले में शामिल डा. अनिल परसाई, क्षिरोद्र रौतिया की मिलीभगत से यह संभव हुआ। मोक्षित के एमडी शशांक चोपड़ा ने मशीनों की व्यवस्था की और उस पर पंचकूला के रिकॉर्डर्स एंड

पेज 11 के शेष ...

मेडिकेयर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड एवं शारदा इंड्रस्ट्रीज का स्टीकर चिपकाया और निविदा समिति के सामने अपना प्रदर्शन पूरा किया। दवा निगम के अफसर और मोक्षित कंपनी की इस करतूत से निविदा समिति के सदस्य अंजान थे, इसलिए तीनों फर्मों के सभी उपकरण खरीदी को स्वीकार कर लिया गया। इसके अलावा मोक्षित कंपनी की सीबीसी मशीन खरीदने के लिए भी सारे नियम कायदे को ताक में रखा गया। कोविड काल के दौरान दुर्ग सीएमएचओ द्वारा दवा निगम को सीबीसी मशीन डीएमएफ फंड से खरीदने मोक्षित से अनुबंध किया गया था। सीएमएचओ द्वारा जारी प्रोप्राइटरी आर्टिकल सर्टिफिकेट में गंभीर त्रुटियां थीं, जिसे नजर अंदाज किया गया। बसंत कौशिक और दीपक बंधे ने इसी आधार पर प्रदेशभर में ब्लड सेल काउंटर मशीन खरीदने अनुबंध की प्रक्रिया पूरी की।

वाहनों में एचएसआरपी...

और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना जारी की है, जिसके परिपालन में छत्तीसगढ़ राज्य में 1 अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत प्रत्येक वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण चिन्ह (एचएसआरपी) लगाया जाना अनिवार्य किया गया है, जिसे लागू कर प्रक्रिया प्रारंभ किया जा चुका है। वाहन स्वामी अधिकृत विभागीय वेबसाइट के माध्यम से सीधे आवेदन कर वाहन में लगाने की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

ड्रंक एंड ड्राइव, ट्रैफिक...

के हैं। सड़क दुर्घटना रोकने शासन के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस ड्रंक एंड ड्राइव करने वालों के खिलाफ सख्ती बरत रही है। यही वजह है कि ट्रैफिक पुलिस ने तीन महीने के भीतर ड्रंक एंड ड्राइव के 178 प्रकरण दर्ज किया है। पिछले साल की तुलना में ड्रंक एंड ड्राइव के ट्रैफिक पुलिस ने डेढ़ गुना ज्यादा मामला दर्ज किए हैं। पिछले वर्ष जनवरी से दिसंबर के बीच ट्रैफिक पुलिस ने 504 प्रकरण दर्ज किया था।

18 से कम उम्र...

बाल विकास विभाग को मिली। इसके बाद विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर न केवल दोनों बाल विवाह को होने से रोका, बल्कि लड़कियों के परिजनों को संकल्प भी दिलाया कि वयस्क होने के बाद ही उनका विवाह कराएंगे। **दिलाई गई शपथ** : बाल विवाह रोकने के बाद टीम ने दोनों नाबालिग लड़कियों के परिजनों सहित वहां मौजूद उनके रिश्तेदारों को भी उनके बच्चों का बाल विवाह नहीं करने के संबंध में शपथ दिलाई। **टीम में ये भी रहे शामिल** : उप पुलिस अधीक्षक नंदिनी ठाकुर, संरक्षण अधिकारी संजय निराला, सेक्टर पर्यवेक्षक सह बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी कमलेश लकड़ा एकीकृत बाल विकास परियोजना तिल्दा शामिल रहे। ***4 दिन पहले मंदिर हसौद में रोका गया था बाल विवाह*** : उल्लेखनीय है कि टीम ने चार दिन पहले मंदिर हसौद क्षेत्र के एक ग्राम में नाबालिग लड़की का विवाह रोका था। इस घर में भी नाबालिग लड़की के विवाह की तैयारी की जा रही थी, लेकिन उससे पहले ही इसे रोक दिया गया। लड़की की पांचवीं की अंकसूची से पता चला था कि उसकी आयु 16 वर्ष 10 माह है। इस तरह एक सप्ताह के भीतर बाल विवाह का यह तीसरा मामला सामने आया है।

एक प्रकरण उरला...

नाबालिग लड़की के घर पहुंची, जहां विवाह की तैयारी की जा रही थी। अधिकारियों ने इस दौरान लड़की के मार्कशीट से उम्र की जांच की तो पता चला कि वह अभी नाबालिग है। इसके बाद तत्काल इस विवाह को रोकते हुए लड़की के परिजनों को समझाईश दी कि बालिग होने पर ही वे उसका विवाह कर सकते है, नहीं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों की समझाइश पर परिवार मान गया।

कमरे के अंदर संदिग्ध...

व्यक्त कर रही है। पूरे कमरे के अंदर खून फैला हुआ है। खून जमीन पर जमकर काला हो चुकी है। ऐसे में सागर की मौत दोपहर को होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बताया जा रहा है, मृतक संस्कृति विभाग का कर्मचारी था, पुलिस ने इस बात की अब तक पुष्टि नहीं की है। लाश मिलने के बाद पुलिस मृतक के घर के आसपास रहने वालों से पूछताछ कर रही है। ***दीवान और दीवार पर मिले खून के धब्बे*** : रत्नेश की जहां लाश मिली है, उस मकान की ऊपरी मंजिल पर किराएदार रहते हैं। ऊपरी मंजिल पर मृतक की बहन के रहने की जानकारी पुलिस को मिली है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम को जांच में दीवान का सिरहाना खून से सना मिला। साथ ही सिरहाने के ऊपर दीवार पर खून की एक मोटी लकीर भी दिखी है। मौके पर मिली लाश की स्थिति के साथ दीवार तथा दीवान पर मिले खून के धब्बों के आधार पर रत्नेश को मारकर जमीन पर नीचे चित लिटाए जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। हत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है।

छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ के अध्यक्ष डॉ. पंडा का सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ के नवनियुक्त प्रांताध्यक्ष डॉ. गदाधर पंडा का एक कार्यक्रम में सम्मान किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में आयुर्वेद चिकित्सक उपस्थित रहे। सम्मान समारोह में संघ के संरक्षक डॉ. परस शर्मा, उप प्रांताध्यक्ष डॉ. कोमल, महामंत्री डॉ. प्रशांत रावत, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. ऐश्वर्य साहू, संयुक्त संपादक डॉ. अनिल सोनी, वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ. अजय नायक, तथा चिकित्सक उपस्थित रहे। डॉ. परस शर्मा ने कहा, संघ की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकता, निरंतरता और निष्ठा है। उन्होंने सभी सदस्यों से आव्हान किया कि वे संगठन के हित में एकजुट होकर संघर्ष करें, क्योंकि संगठित प्रयासों से ही शासन-प्रशासन पर प्रभाव पड़ता है और मांगें पूरी होती हैं। डॉ. गदाधर पंडा ने कहा, वे संघ की मजबूती और विस्तार के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, **NISHA NATHANI D/O MAKHAN LAL GATTANI** resident of SHANKER NAGAR RAIPUR (C.G) have changed my old name **NISHA GATTANI D/O MAKHAN LAL GATTANI** so in future I should be recognized by my new name that is **NISHA NATHANI D/O MAKHAN LAL GATTANI** in all Government and other documents.

NISHA NATHANI
SHANKER NAGAR
PIN:492007, RAIPUR (C.G)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-18, तहसील व जिला रायपुर छ.ग.

आम सूचना

जारी दिनांक- 25.04.2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। कि ग्राम सेजबहार प.ह.न. 82 रा.नि.म.-18 तहसील रायपुर जिला रायपुर छ.ग. स्थित आवेदक तरूण कुमार साहू पिता श्री डेरहा राम साहू निवासी सेजबहार खसरा नंबर 505/6 रकबा 0.5060 हे.के द्वारा धारित उपरोक्त वर्णित भूमिस्वामी हक की भूमि के बटांकन हेतु आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय नायब/अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 24.04.2025 के परिपालन में आवेदक की भूमि का बटांकन हेतु हमारे द्वारा दिनांक 02.05.2025 को 2:30 बजे किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है। कि उक्त तिथि व समय पर उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी दावा अथवा आपित्त हो तो मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में बटांकन कार्य किया जा सकता है। बटांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सो सूचना जाने।

राजस्व निरीक्षक-18, रायपुर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-16 तहसील व जिला रायपुर

सीमांकन सूचना

दिनांक 28/04/2025

प्रति,
1. ऋषि कुमार चंद्राकर पिता स्व. झुमुक चंद्राकर
विषय- आवेदक/आवेदिका ऋषि कुमार चंद्राकर पिता/पति स्व. झुमुक चंद्राकर निवासी द्वारा आवेदित ग्राम नेऊरडीह प.ह.नं. 14 रा.नि.मं. रायपुर 16 सारागांव स्थित भूमि खसरा नंबर 59/19, 166/21, 185/4 क्षेत्रफल 4.443 हे. के सीमांकन/बटांकन में उपस्थित होने के संबंध में।
संदर्भ- न्यायालय अति/नायब तहसीलदार धरसींवा के सीमांकन आदेश/ज्ञापन क्र. 436 वा./अति./ना./तह./2025 धरसींवा दिनांक 13/02/2025 के संदर्भ में।

उपरोक्त विषयांकित भूमि का सीमांकन न्यायालय अति./ना. तहसीलदार धरसींवा के संदर्भित ज्ञापन के परिपालन में दिनांक 30/04/2025 को पूर्वान्हे/अपरान्ह 11.00 बजे से मेरे द्वारा हल्का पटवारी के सहयोग से किये जाने हेतु नियत है।

क्यौंकि आप उक्त खसरा नंबर की भूमि के संलग्न भूमि धारक/बटांकन धारी है। अतः उल्लेखित नियत दिनांक को पटवारी हल्का नंबर 14 के बरबंदा स्थित कार्यालय में स्वयं या अपने अभिभाषक/वैद्य अभिकर्ता के माध्यम से अपनी भूमि के स्वत्व संबंधी आवश्यक दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर दस्तावेज के अनुरूप आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

सूचनोपरांत अनुपस्थिति की स्थिति में भी सीमांकन कार्य किया जावेगा एवं पश्चात की गई आपत्ति अमान्य होगा। अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. रायपुर 16 (सारागांव)

:: शपथ पत्र ::

मैं हिमांशु गर्ग, पिता रविकांत गर्ग, निवासी 371, वार्ड नं. 29, गुरु गोविंद सिंह वार्ड, बिहाइंड माता गौरेज, पंडरी , रायपुर छ.ग. का रहने वाला हूँ जो कि निम्न लिखित कथन शपथ पूर्वक बयान करता हूँ कि :-

1.यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य व सही है

2.यह कि मैने अपना पुराना नाम हिमांशु को हमेशा के लिए त्याग कर नया नाम हिमांशु गर्ग रख लिया है, जो मेरा पुराना नाम हिमांशु मेरे पासपोर्ट मे दर्ज है एवं नया नाम हिमांशु गर्ग मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, ड्राईविंग लायसेंस व अन्य दस्तावेजो मे दर्ज है।

3. यह कि मुझे अब वर्तमान मे हिमांशु गर्ग के नाम से जाना व पहचाना जावे एवं समस्त दस्तावेज पासपोर्ट मे यही नाम दर्ज किया जावे, एवं मुझे इसी नाम से लिखा पढा जावे।

अतः यह शपथ पत्र उक्त कथनों के समर्थन मे प्रस्तुत है। **शपथकर्ता**

-: सत्यापन :-

मै यह सत्यापित करता हूँ कि उक्त दी गई जानकारी मेरे ज्ञान के अनुसार सत्य व सही है। जिसे अपना हस्ताक्षर कर एवं स्थान रायपुर छ.ग. में सत्यापित कर दिया।

दिनांकः- 28.04.2025 **हिमांशु**
शपथकर्ता

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील सारागांव
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः- जिला - रायपुर तहसील-धरसीवा प.ह.न. - 00085 दोंदेकला ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD202425440718500009

ईश्तहार

तहसील धरसीवा के प.ह.न. 00085 के अंतर्गत ग्राम दोंदेकला के वर्तमान भूमिस्वामी चौंपी बाई बे. जगेसर पुरषोत्तम पि. जगेसर पिता/पति जगतूराम नाथू चंदन लेखराम पि. पालूराम साहू पता-सा. देह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 325/2 (0.3640) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता जगेसर पुरषोत्तम पि. जगेसर पिता/पति जगतूराम नाथू चंदन लेखराम पि. पालूराम साहू पता - सा. देह के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 19/05/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार उपतहसील सारागांव पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25/04/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर **नायब तहसीलदार**
RAJENDRA CHANDRAKAR
तहसील - धरसींवा

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री संजय राठी पिता श्री सत्यनारायण राठी, निवासी पण्डरी लोधीपारा, रायपुर छ.ग. का हैं। भूमि स्वामी हक खुली परिवर्तित भूमि जो कि वाके मौजा ग्राम गुमा, प.ह.न. 32, रा.नि.म. रायपुर 19 धनेली, तहसील धरसीवा, जिला रायपुर छ.ग. में स्थित है जिसका खसरा नंबर 274/63 रकबा 2850 वर्गफुट जो कि डबल रोड का प्लाट इस जमीन का बंटाकन हो चूका है, जो कि शासकीय विभाग द्वारा बंटाकन नंबर 63 दिया गया है, इस भूमि में एक बडा पेड लगा हुआ है। जो मुख्य मार्ग से लगभग 100 मीटर के अंदर स्थित है जिसका बी-1 मूल नक्सा साथ में लगा है। यह 0.0264 हेक्टेयर है। जो कि सार्वजनिक रास्ता हेतु शासन के पास में छ.ग. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 173/ के तहत व्यजन किये जाने हेतू आवेदन पत्र पेश किया गया है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो वह व्यक्ति दिनांक व दिनांक 13.05.2025 तक स्वयं अपने अधिवक्ता के माध्यम अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। नियत दिनांक के बाद प्राप्ति आवेदन पत्र पर कोई विचार, आपत्ति नहीं किया जावेगा।

रायपुर छ.ग.
दिनांक 28.04.2025 **आवेदक**
नरेन्द्र महिलांग अधिवक्ता
पता- इंद्रप्रस्थ फेस 02, इडब्ल्यु एस रायपुरा, रायपुर छ.ग.
मो.न. - 9827950919

HEALTH TOWN

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभात टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 81031 28515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.

नाक,कान, गला विभाग
- सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
- ऑपरेशन द्वारा ईलाज
- नाक की प्लास्टिक सर्जरी

चक्कर की जॉंच
एलर्जी

Dental & Consmetic Treatments
- टेड़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
- दांतो की नसों का इलाज
- दांतों की सफाई व चमकाना
- दंत प्रत्यारोपण
- मुंह के कम खुलने का इलाज

(Hearing Aids) सुनाई मशीन

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

राजनांदगांव जिला इकाई के अध्यक्ष पद पर कमलेश बैद मनोनीत

रायपुर। चैंबर के कार्य में सहयोग करने एवं गतिशील बनाने के लिये जिला इकाई राजनांदगांव के चैंबर में पदधिकारियों का अतिरिक्त विस्तार करते हुए जिला इकाई अध्यक्ष पद पर कमलेश बैद को मनोनीत किया गया है। चैंबर के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने राजनांदगांव जिला इकाई अध्यक्ष कमलेश बैद जी को बधाई देते हुए यह उम्मीद की है कि प्रदेश के व्यापार एवं उद्योग के हित में कार्य करते हुए छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज को एक नयी ऊचाईयों पर लेकर जायेंगे।

राज्य उद्योग अकादमिक प्रकोष्ठ का उद्घाटन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा संस्थानों तथा उद्योगों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा गठित राज्य उद्योग अकादमिक प्रकोष्ठ का उद्घाटन करते हुए आयुक्त उच्च शिक्षा डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने महाविद्यालयों को उद्योगों से बेहतर संबंध बनाते हुए कार्य करने की सलाह दी। उद्योग आधारित रोजगारोन्मुखी कार्य का अनुभव प्राप्त होने से विद्यार्थियों को रोजगार के असीमित अवसर प्राप्त होंगे तथा उद्योगों को कुशल कर्मचारी/अधिकारी मिल सकेंगे। समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथि रविवि रायपुर के कुलपति सच्चिदानंद शुक्ल ने हर कॉलेज कैम्पस में उद्योगों के प्रतिनिधियों को इंडस्ट्री रेडी पाठ्यक्रमों के निर्माण के लिए तथा शोध व इन्क्यूबेशन केंद्रों की स्थापना के लिए आमंत्रित करने का मॉडल प्रस्तुत किया।

प्रदेशभर में कमजोर फीडरों की भरमार, नहीं झेल पाते मौसम की मार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

प्रदेशभर में थोक में कमजोर फीडरों की भरमार है। ये फीडर इतने ज्यादा कमजोर हैं कि मौसम की हल्की सी भी मार नहीं झेल पाते। ग्रामीण क्षेत्रों का सबसे ज्यादा बुरा हाल रहता है, लेकिन राजधानी रायपुर की स्थिति भी गांवों जैसी हो गई है।

राजधानी में भी थोक में ऐसे फीडर हैं, जो इतने कमजोर हैं कि मौसम का मिजाज बदलते ही हल्की सी आंधी या बारिश होते ही धड़ाधड़ फीडर बंद होते चले जाते हैं और शहर घंटों अंधेरे में डूब जाता है। बिजली विभाग का अमला भी ऐसा लाठी टेक है कि खराबी को खोजने में घंटों लग जाते हैं। एक दिन मौसम खराब होने पर डीडी नगर के साइंस कॉलेज के फीडर में खराबी आने पर इसको खोजने में ही दो घंटे से ज्यादा का समय लग गया। ऐसा ही हाल शहर में और कई स्थानों पर रहा।

यह एक दिन की बात नहीं है, हमेशा ही मौसम खराब होने पर ऐसा होता है। गर्मी से सीजन में हमेशा से ही अप्रैल और मई के में आंधी, तूफान और बारिश का आना आम बात है। जिस तरह से इनका आना आम बात है, उसी तरह से मौसम के बदलते ही बिजली की जाना भी आम बात है। इसमें संदेह नहीं है कि मौसम की मार से बिजली प्रभावित होती है, लेकिन प्रदेश में थोक में ऐसे फीडरों की कमी नहीं है जो मौसम की हल्की सी मार भी नहीं झेल पाते हैं।

अमला लाठी टेक

बिजली विभाग में एक सबसे बड़ी परेशानी वाली बात यह है कि विभाग का अमला अब तक लाठी टेक है। किसी भी क्षेत्र में बिजली गुल होने के बाद खराबी को खोजने के लिए पेट्रोलिंग का सहारा रहता है। पेट्रोलिंग में घंटों लग जाते हैं, पर कई बार खराबी नहीं मिलती है। कोई खराबी की सूचना देने का प्रयास करता है को शिकायत केंद्रों का फोन ही नहीं लगता है। अक्सर बिजली बंद होने पर फोन को बिजी करके रख दिया जाता है और अधिकारी फोन उठाते नहीं है। सोमवार को डीडी नगर के साइंस कॉलेज फीडर की खराबा को खोजने में जो घंटे से ज्यादा लग गए। यहां हाल शहर के और कई इलाकों का रहा जिसके कारण लोगों को घंटों अंधेरे में रहना पड़ा। विभाग में एक और समस्या इस बात की भी है कि विभाग के पास खुद के तकनीकी जानकारों की बहुत कमी है। विभाग का ज्यादातर काम ठेके पर चल रहा है। ठेकेदारों के पास तकनीकी जानकारों की टीम न होने के कारण भी खराबी को खोजने और ठीक करने में ज्यादा समय लगता है।

- राजधानी रायपुर का हाल ही गांवों से भी बदतर
- एक बार बिजली गुल हुई तो घंटों लग जाते हैं खराबी ठीक होने में
- झट होती है बिजली गुल

साइंस कॉलेज फीडर बहुत कमजोर

राजधानी के डीडी नगर क्षेत्र में बहुत से फीडर है, इनमें साइंस कॉलेज का फीडर बरसों से कमजोर है। मौसम के खराब होते ही सबसे पहले इसी फीडर की बिजली गुल होती है। बाकी फीडरों की बिजली बहुत कम जाती है। बिजली विभाग के अधिकारी भी यह नहीं बता पाते हैं कि आखिर साइंस कॉलेज का फीडर ही मौसम की मार दूसरे फीडरों की तरह झेल नहीं पाता है। जानकारों का कहना है कि राजधानी के हर क्षेत्र में साइंस कॉलेज जैसे कमजोर फीडरों की कमी नहीं है। अब एक दिन पहले की देखें, सोमवार की रात को मौसम खराब होने पर राजधानी के डीडी नगर, डगनिया, चंगोराभाटा, बैजनाथपारा, लाखेनगर, रामसागर पारा,खमतराई, श्याम नगर, अशोक नगर, राजेंद्र नगर, अंवति विहार, मोवा, सड्डू, कचना, बोरियाखुर्द, कविता नगर, डूमरतराई, गुढ़ियारी, तेलघानी नाका सहित शहर के कई इलाकों में घंटों बिजली बंद रही।

धूल से खराब होने पर मांगा चार जोड़ी वर्दी का भत्ता

गर्मी से परेशान ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने आईजी से की कैप बदलने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

तेज धूप, बारिश, ठंड में खुले आसमान के नीचे ड्यूटी करने वाले ट्रैफिक पुलिस के सिपाहियों से मिलने सोमवार को आईजी अमरेश मिश्रा, एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह कालीबाड़ी स्थित ट्रैफिक थाना पहुंचे। ट्रैफिक थाना पहुंचने पर आईजी ट्रैफिक सिपाहियों की समस्याओं से रूबरू हुए। अपने बीच पहुंचे आईजी से ट्रैफिक सिपाहियों ने खुलकर अपनी परेशानी बताई। आईजी ने ट्रैफिक सिपाहियों की समस्याओं को जल्द दूर करने का आश्वासन दिया है।

ट्रैफिक सिपाहियों से मिलने पहुंचे आईजी ने सिपाहियों से सुचारू रूप से ट्रैफिक संचालन को लेकर चर्चा की। ड्यूटी के दौरान होने वाली परेशानियों की जानकारी ली।। सिपाहियों से मिलने पहुंचे आईजी ने अपने संबोधन में कहा कि ट्रैफिक पुलिस किसी भी शहर की पहचान है, कोई भी बाहर से आने वाले व्यक्ति का सामना सबसे पहले वहॉ की यातायात पुलिस एवं यातायात व्यवस्था से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहर के लोग कैसे होंगे, आप सभी इस शहर की पहचान हैं। ट्रैफिक ड्यूटी पुलिस विभाग की सबसे कठिन ड्यूटी है, थाने के कर्मचारियों के पास विकल्प रहता है कि विपरीत मौसम जैसे सर्दी, गर्मी या बारिश बंद होने के बाद अपने कर्तव्यों का निष्पादन कर सकता है, किन्तु ट्रैफिक जवान को ऐसे विपरीत मौसम में भी रोड में खड़े रहकर अपने कर्तव्य का निष्पादन करना पड़ता है।

विवाद होने पर अफसरों को सूचना दें

सिपाहियों से मिलने पहुंचे आईजी ने ट्रैफिक सिपाहियों को अपराधियों की पहचान करने संदिग्ध के हाव-भाव तथा आंखों को गैस करने की सलाह दी। ड्यूटी के दौरान कोई वाहन चालक के दुर्व्यवहार, वाद-विवाद करने पर उनसे उलझने के बजाय इसकी जानकारी अपने अफसरों को देने के लिए कहा। ट्रैफिक जवानों से बेवजह उलझने वालों के खिलाफ आईजी ने सख्त कार्रवाई करने की बात कही।

सिपाहियों ने की कैप बदलने की मांग

ट्रैफिक सिपाही एक दशक से ज्यादा समय से रेगजीन वाली कैप पहनते हैं। बारिश तथा ठंड के दिनों में रेगजीन की कैप से ट्रैफिक सिपाहियों को कोई परेशानी नहीं होती, गर्मी के दिनों में कैप के रेगजीन के होने की वजह से कैप गर्म हो जाती है, जिसके चलते ट्रैफिक सिपाहियों के सिर में दर्द होने लगता है। ट्रैफिक सिपाहियों ने उक्त कैप की जगह पी-कैप देने की मांग की है।

अपने पैसों से बनवानी पड़ती है वर्दी

ट्रैफिक सिपाहियों ने आईजी को बताया कि उनकी वर्दी सफेद कलर की है। रोड में ड्यूटी करने की वजह से वर्दी एक ही दिन में धूल से खराब हो जाता है। इस वजह से उन्हें अपने लिए चार वर्दी बनवानी पड़ती है। इसके चलते उन्हें अतिरिक्त आर्थिक भार उठाना पड़ता है। इसे देखते हुए ट्रैफिक सिपाहियों ने आईजी से चार यूनिफार्म भत्ता दिलाने की मांग की। आईजी ने ट्रैफिक सिपाहियों को उनकी समस्याओं का जल्द निराकरण करने का आश्वासन दिया है।

सीवरेज के गड्ढे में गिरकर बच्चे की मौत, ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- निगम के जिम्मेदार अधिकारी व ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई की मांग
- 7 वर्षीय बालक दिव्यांश की मौत का मामला

रामनगर इलाके के गुलमोहर पार्क के पास सीवरेज के गड्ढे में गिरकर 7 वर्षीय बालक दिव्यांश की मौत हो गयी थी। मासूम के परिजनों ने सोमवार को कलेक्टोरेट पहुंचकर निगम के जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

संबंधित पर एफआईआर नहीं होने पर परिजनों ने आक्रोश जताते न्याय दिलाने कलेक्टर के समक्ष गुहार लगाई। हालांकि नगर निगम ने इससे पहले 3 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए निलंबन और विभागीय जांच के आदेश जारी किये हैं। 7 वर्षीय मासूम के परिजन करीब 2 सप्ताह बाद भी इस घटना के जिम्मेदारों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से आक्रोश जताने कलेक्टोरेट पहुंचे। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि 14 अप्रैल को नगर निगम के अधिकारियों की उदासीता के कारण सेप्टिक टैंक के बाजू में खोद गये कच्चा सोक पिट के गंदे पानी में उनके पुत्र की गिरकर मौत हो गयी थी, जिसमें पुलिस द्वारा अभी तक एफआई दर्ज नहीं की गई। परिजनों ने संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों पर अब तक एफआईआर नहीं होने का विरोध किया। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर न्याय दिलाने की मांग के लिए कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने दिवंगत दिनेश मिरानिया को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कश्मीर पहलगाम आतंकी हमले में दिवंगत स्व. दिनेश मिरानिया के निवास रायपुर समता कॉलोनी पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने स्व. मिरानिया के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाते हुए कहा, दुख की इस घड़ी में हमारी पूर्ण संवेदनाएं मिरानिया परिवार के साथ हैं। इस दौरान छत्तीसगढ़ सह प्रभारी जरिता लैतफलांग, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, छत्तीसगढ़ कांग्रेस विधायक दल के सचिव अमित पाण्डेय, प्रदेश कांग्रेस वरिष्ठ प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी, विकास अग्रवाल समेत कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

विधायक मूणत ने सादगी से मनाया जन्मदिन प्रदेशभर से नेताओं-कार्यकर्ताओं ने दीं शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व मंत्री एवं रायपुर पश्चिम विधानसभा से भाजपा विधायक राजेश मूणत ने सोमवार को अपना जन्मदिन सादगीपूर्ण ढंग से मनाया। इस अवसर पर उन्होंने सुबह अग्रसेन चौक स्थित प्रसिद्ध गणेश मंदिर में विघ्नहर्ता भगवान गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की जनता की सुख-समृद्धि की कामना की।

इसी दौरान श्री मूणत ने सभी शुभचिंतकों और समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, आप सभी के स्नेह, विश्वास और शुभकामनाओं के लिए हृदय से आभारी हूं। मेरा सदैव प्रयास रहेगा कि जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास हेतु निरंतर कार्य करता रहूं। दिनभर उनके निवास पर शुभकामनाएं देने तांता लगा रहा। आम नागरिकों से लेकर भाजपा कार्यकर्ता, नेता और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोग उन्हें शुभकामनाएं देने पहुंचे। श्री मूणत को राज्य के विधायकों, सांसदों सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

महापौर ने निवास पर पहुंचकर दी बधाई

रायपुर महापौर मीनल चौबे ने भी विधायक राजेश मूणत को उनके निवास पर पहुंचकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने श्री मूणत को स्वस्थ जीवन और जनसेवा के कार्यों में निरंतर मार्गदर्शन की कामना की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर लिखा कि वरिष्ठ नेता, हम सभी के मार्गदर्शक, रायपुर पश्चिम के लोकप्रिय विधायक राजेश मूणतजी के जन्मदिन पर उनके निवास पहुंचकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वे सदैव स्वस्थ रहें एवं जनसेवा व विकास के कार्यों में निरंतर हमारा मार्गदर्शन करते रहें, प्रभु श्रीराम से यही कामना है।

राज्य के विकास में मूणत का योगदान

राजेश मूणत को छत्तीसगढ़ में विकास पुरुष के रूप में जाना जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में उन्होंने 15 वर्षों तक लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन, परिवहन जैसे अहम विभागों के मंत्री के रूप में प्रदेश के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया। लोक निर्माण मंत्री रहते हुए उन्होंने प्रदेशभर में सड़कों का जाल बिछाया, ओवरब्रिज, फ्लाईओवर और कई महत्वपूर्ण भवनों का निर्माण कराया। परिवहन मंत्री के तौर पर भ्रष्टाचार रोकने के लिए कई सख्त निर्णय लिए। नगरीय प्रशासन मंत्री रहते हुए उन्होंने शहरी इलाकों को सुविधायुक्त बनाने के लिए सतत प्रयास किए। अपने विधानसभा क्षेत्र रायपुर पश्चिम के प्रति सदैव समर्पित रहने वाले श्री मूणत ने इस क्षेत्र को छत्तीसगढ़ की सर्वाधिक विकसित विधानसभा में बदल दिया। विपक्ष में रहते हुए भी उन्होंने जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाया, चाहे वह महंगी बिजली हो, अवैध निर्माण या प्रशासनिक भ्रष्टाचार, उन्होंने सड़क से सदन और अदालत तक लड़ाई लड़ी।

प्रमुख नेताओं की शुभकामनाएं

राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर लिखा, 'रायपुर पश्चिम के जनप्रिय विधायक राजेश मूणतजी, आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम से आपके उत्तम स्वास्थ, दीर्घायु एवं मंगलमय जीवन की कामना करता हूं।' वहीं पूर्व मुख्यमंत्री एवं विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने एक्स पर लिखा, भाजपा के वरिष्ठ नेता, रायपुर पश्चिम के लोकप्रिय विधायक राजेश मूणत को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपके नेतृत्व में रायपुर पश्चिम विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहे। रायपुर पश्चिम और भाजपा आपके मार्गदर्शन में निरंतर आगे बढ़े, यही कामना है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने लिखा, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं रायपुर पश्चिम के लोकप्रिय विधायक राजेश मूणत को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की कामना करता हूं। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने लिखा, रायपुर पश्चिम के जनप्रिय विधायक, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं मंगलमय जीवन की कामना करता हूं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने लिखा, भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य, पूर्व कैबिनेट मंत्री, विधायक राजेश मूणत आपको जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुयशपूर्ण जीवन की कामना करता हूं।

बिजनेस साइट

मनोविज्ञान विभाग ने दी छात्रों को यादगार विदाई, भावुक क्षणों और सांस्कृतिक रंगों से सजा आयोजन

रायपुर। मैट्स विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा बीए/बीएससी (ऑनर्स) और एमए/एमएससी अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए भव्य विदाई समारोह का आयोजन हुकम ललित महल में किया गया। जूनियर्स द्वारा आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह में उत्साह भर दिया।

गायन, नृत्य और मनोरंजक खेलों ने छात्रों के बीच जुड़ाव को और गहरा किया। समारोह में छात्रों को विभिन्न उपाधियों से नवाजा गया। स्नातकोत्तर वर्ग से अस्मित एक्का और मेघा सूर्यवंशी को क्रमशः मिस्टर व मिस फेयरवेल का खिताब मिला। वहीं स्नातक वर्ग से आदित्य सिंह बामल और वैदेही ठाकुर को यह उपाधि दी गई। निखिल तिवारी को सोशल इन्फ्लुएंसर, यश साहू को मिस्टर टॉकेटिव और अपराजिता राज भाकुनी को मिस गॉर्जियस का खिताब मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. शाइस्ता अंसारी ने की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गजराज पगारिया, कुलपति प्रो. (डॉ) केपी यादव, प्रो-वाइस चांसलर डॉ. दीपिका ढांड, महानिदेशक प्रियेश पगारिया एवं रजिस्ट्रार गोकुलानंदा पंडा भी उपस्थित रहे।

आन रॉयल एनफील्ड ने नए कलर्स और फीचर्स के साथ लांच की 'हंटर 350'

रायपुर। पचपेड़ी नाका स्थित आन रॉयल एनफील्ड ने अपनी बहुप्रतीक्षित बाइक 'हंटर 350' को नए कलर्स और फीचर्स के साथ लांच किया है। इस मौके पर आन रॉयल एनफील्ड के डायरेक्टर प्रशांत केशरवानी ने बताया कि रॉयल एनफील्ड हमेशा से अपनी क्लासिक डिजाइन और आरामदायक राइडिंग अनुभव के लिए मशहूर रही है। नए मॉडर्न फीचर्स के साथ कंपनी ने एक बार फिर अपनी लेगसी को मजबूती से कायम रखा है। नई हंटर 350 में एलईडी हेडलाइट, स्लिप असिस्ट क्लच और हल्का वजन जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं, जो खासतौर पर शहर की सड़कों पर राइडिंग को सुगम बनाते हैं। इसके अलावा इसका बेहतर माइलेज और आकर्षक रंग विकल्पों ने इसे युवाओं के बीच ड्रीम बाइक बना दिया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा के एमडी एवं सीईओ देबदत्त चांद का आज रायपुर दौरा

रायपुर। भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी देबदत्त चांद, आज रायपुर अंचल के दौरे पर रहेंगे। यह दौरा छत्तीसगढ़ राज्य में बैंक की गतिविधियों की समीक्षा और भविष्य की दिशा तय करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। अपने प्रवास के दौरान देवदत्त चांद बैंक के रायपुर अंचल कार्यालय में क्षेत्रीय प्रमुखों, स्टाफ सदस्यों और प्रमुख ग्राहकों के साथ बैठक करेंगे। इन बैठकों में ग्राहक सेवा को और बेहतर बनाने, बैंक के प्रदर्शन में निरंतर वृद्धि लाने तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचार को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। श्री चांद राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में छत्तीसगढ़ के विकास में बैंक ऑफ बड़ौदा की भूमिका को और सशक्त बनाने तथा संभावित क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा होगी।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

02

मंडप के साजो सामान डिजाइनर्स....

लाइव इवेंट

ब्रेनिश अबेकस मेगाफेस्ट में विद्यार्थियों का बेहतर प्रदर्शन

रायपुर। 'ब्रेनिश अबेकस मेगाफेस्ट' का आयोजन किया गया। इसमें ब्रेनिश-अबेकस के प्रदेशभर के करीब 1300 से ज्यादा विद्यार्थी रायपुर में जुटे। गणित के अंकों की गणनाओं की इस प्रतियोगिता में दीपा शुक्ला के मार्गदर्शन में ब्रेनिश अबेकस क्लास में विद्यार्थियों ने प्रदर्शन किया। चैंपियन ट्रॉफी सहित अनेक वर्गों में उन्होंने प्रतियोगिता जीतीं। साथ ही गणित की गणनाओं का नया रिकॉर्ड भी 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड' में दर्ज किया। इस अवसर पर बच्चों को अबेकस की ग्रेजुएशन की उपाधि प्रदान की गई। कई आयु समूहों में होने वाली गणित की गणनाओं की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए विद्यार्थी लंबे समय से प्रैक्टिस भी करते आ रहे थे। इसमें ब्रेनिश अबेकस क्लास शैलेंद्र नगर के कई विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में ये रहे विजेता

ऐसे विद्यार्थियों को ब्रेनिश अबेकस की ग्रेजुएशन उपाधि दी गई। इनमें आद्या सिंह, सैय्यद ऐजान अली, सोहम मेहता, शांभवी सिंह परिहार शामिल हैं। स्टेपन सेवन प्रतियोगिताओं में आद्या सिंह चैंपियन रही हैं। सोहम मेहता, सैय्यद ऐजान अली और सांभवी परिहार विजेता रहीं। साथ ही स्टेपजिरो में याशिका ओझा, अरिवन चंद्रा, स्टेप-वन में सान्वी सिन्हा, आद्यशा स्वैन, अमोघ जैन, भानुप्रताप बंजारे, ताशि बरडिया, अनय वर्मा, केजी-टू में रितिका टोप्पो, आद्या वल्र्यानी, प्रांजल साहू, रियांशी श्रीवास्तव विजेता रहीं।

बच्चों में होती हैं अपार क्षमता

अबेकस बिना कैल्कुलेटर से गणितीय गणनाएं करने की एक पद्धति है। इसके नियमित अभ्यास से बच्चे गणित की कठिन गणनाएं बिना कैल्कुलेटर कर सकते हैं। साथ ही बौद्धिक क्षमता भी उनमें विकसित होती हैं। इस प्रतियोगिता में गणित के गुणा, भाग, जोड़, घटाने के सवाल चंद क्षणों में पूरे करने होते हैं। लंबे-लंबे सवाल कम से कम समय में हल कर बच्चे अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों में अपार क्षमता होती है, उन्हें लगातार सही दिशा में अभिप्रेरित करने की जरूरत है।

सीजी रीजनल साइंस सेंटर में समर साइंस कैम्प, 42 विद्यार्थियों ने जाना रोबोटिक्स वर्क

रोबोट करेंगे फसलों की कटाई, थ्रीडी व्यू से सर्जन की करेंगे हेल्प, उद्योगों में होंगे मैनपॉवर का विकल्प

'समय के साथ नए संसाधनों और तकनीक का उपयोग हर क्षेत्र में किया जाने लगा है। इसे देखते हुए सड्डू स्थित सीजी रीजनल साइंस सेंटर में समर कैम्प की श्रृंखला में चार दिन एक्सपर्ट ने विभिन्न क्षेत्र में काम करने वाले रोबोट की उपयोगिता के साथ उसे बनाने की तकनीक बताई। इसे सीखने 42 छात्र -छात्राओं ने रुचि दिखाई। सेंटर में उन्हें रोबोट किस तरह से फसलों की कटाई करेगा, कैसे थ्रीडी व्यू के माध्यम से रोबोट सर्जन के लिए कारगर होगा, यह भी विद्यार्थियों को जानने और समझने को मिला।'

रायपुर। साइंस सेंटर ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के तकनीकी सहयोग से रोबोटिक्स पर चार दिनों का समर कैम्प किया। इस शैक्षिक पहल से छात्रों को यांत्रिक इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रोग्रामिंग जैसे क्षेत्र में अन्वेषण करने का अवसर मिला। सरोकार से जुड़ी समस्या और उसका समाधान हम कौशल और तकनीक को प्रगति के लिए किस तरह से व्यावहारिक बना सकते हैं, यह सीखने का अनुभव और समझ प्रदान करने के मकसद से साइंस के विद्यार्थियों को अवसर दिया गया। इसमें रायपुर जिले के 42 छात्रों ने भाग लिया। जहां राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी संस्थान रायपुर के एसोसिएट प्रोफेसर और विभागा अध्यक्ष डॉ. प्रदीप सिंह और डॉ. दीपक सिंह ने छात्रों को पारंगत करने का दायित्व निभाया।

सर्जन को मिलता है हाई-डेफ़िनेशन

रोबोटिक्स सिस्टम अब मेडिकल फील्ड में भी उपयोगी है। टाइमर, चिप और कंप्यूटर के जरिए कैसे इसे तैयार किया जाता है, इसकी जानकारी दी गई। मेडिकल फील्ड से जुडे कई मामलों में रोबोट के इस्तेमाल से सर्जरी होती है। इनमें सर्जिकल उपकरण लगे होते हैं। सर्जन ऑपरेटिंग टेबल के पास कंसोल नामक कंट्रोल सेंटर पर बैठकर आर्म्स को कंट्रोल करते हैं। सर्जन को सर्जरी वाली जगह का बड़ा हाई-डेफ़िनेशन थ्रीडी व्यू के रूप में दिखाने में रोबोट काम आता है।

कृषि के क्षेत्र में भी बेहद उपयोगी

जिस तेजी से कृषि क्षेत्र में लोग व्यावसायिक स्तर पर जुड़ने लगे हैं। उस लिहाज से रोबोट का उपयोग भी बढ़ने लगा है। इसे बनाने के साथ किस तरह से काम करेगा, इसके सभी चरण की जानकारी छात्रों को देते हुए बताया कि रोबोट फसल की कटाई, खर-पतवारों को निकालने, कीटनाशकों का छिड़काव और फसल को नुकसान से बचाने के लिए निगरानी करने लगा है। जिस तेजी से इसका चलन बढ़ रहा है,उसे देखते हुए इसे बनाने और ऑपरेट करने का कौशल सिखने से भविष्य में रोजगार खोजने की जरूरत नहीं होगी, स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं।

इन घटकों का किया जाता है इस्तेमाल

औद्योगिक रोबोट्स को विशेष रूप से पर औद्योगिक वातावरण में स्वचालित करने के लिए डिज़ाइन किया जाता है। इसे अलग-अलग प्रकार के काम करने के लिए प्रोग्राम भी किया जा सकता है। इसे किस तरह से ऑपरेट कर सकते हैं, इसकी जानकारी भी एक्सपर्ट ने दी। बताया कि रोबोट की संरचना में यांत्रिक, इलेक्ट्रॉनिक और कम्प्यूटर प्रमुख रूप से घटक के रूप में शामिल होते हैं। इनका समावेश करते हुए ही हम उद्योगों में मैनपॉवर की सुरक्षा में रोबोट का उपयोग कर सकत हैं। इसका प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। इस फील्ड में करियर भी बना सकते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में भी निभा रहे भूमिका

एक्सपर्ट ने रोबोटिक्स का उपयोग शिक्षा के क्षेत्र में भी होने लगा है। रोबोटिक्स एक उभरता हुआ क्षेत्र है जहां रोबोट छात्रों को विषय पढ़ाते हैं। साथ ही मानव जैसी चेहरे की विशेषताओं और भावना- बोधक तकनीक के माध्यम से उनसे जुड़ते हैं। शिक्षण सहायक, व्यक्तिगत शिक्षक, छोटे समूह के नेता और सहकर्मी शिक्षार्थी कुछ ऐसी भूमिकाएं हैं, जो रोबोट निभाते हैं। सभी को ऑपरेट करने का तरीका अलग होता है। इसकी बेसिक जानकारी के बिना इसे ऑपरेट करना घातक भी हो सकता है।

सिटी इवेंट

वैदिक व्यवस्था वैज्ञानिक, सनातन शस्त्र-शास्त्र के ज्ञान से भी समृद्ध

रायपुर। भारत की वैदिक व्यवस्था वैज्ञानिक और सनातन होने के साथ आधुनिक भी है। शस्त्र और शास्त्र के ज्ञान से सुसज्जित होने के साथ समृद्वशाली रही है। इसका मूल कारण गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था है। इस परंपरा से ही हम श्रीराम, श्रीकृष्ण, अर्जुन जैसे ब्रह्मचर्य से युक्त धर्म रक्षा करने वाले पुरुषार्थी का निर्माण कर सकते हैं। समाज को सुरक्षित रख सकते हैं। इन सभी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गुरुकुल क्रांति संगठन का उदय हुआ है, जो निशुल्क ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से हर वर्ग को वेद, दर्शन, उपनिषद, व्याकरण और शास्त्रों की शिक्षा से धर्म का ज्ञान दे रहा है। साथ ही आत्म सुरक्षा के लिए शस्त्र विद्या, संस्कार निर्माण, योगविद्या, आरोग्य जीवन और सुदृढ़ दिनचर्या के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सोमवार को किया गया।

समाज पर किया जा रहा दोहरा हमला

वर्तमान स्थिति को देखते हुए लोगों की सुरक्षा अब ज्यादा जरूरी है। इसे देखते हुए अपनों के द्वारा अपनी सुरक्षा और आपके द्वारा अपनों की सुरक्षा के उद्देश्य से सुरक्षा क्रांति एप का निर्माण किया गया है। जो हमें कहीं भी कभी भी सुरक्षा देगा। सुरक्षा के प्रति सजग करने के लिए रविवार को सुरक्षा क्रांति के ऑनलाइन मंच पर युवाओं के प्रेरणास्रोत अतिथि वक्ता गौतम खट्टर का ऑनलाइन वेबीनार हुआ। इस मंच से उन्होंने बताया कि समाज पर दोतरफा हमला हो रहा है। पहला हमला विचार के आधार पर और दूसरा हथियार के आधार पर हो रहा है।

शास्त्र का ज्ञान, शस्त्र का संचालन

धर्म का ज्ञान भी है तो आज की युवा पीढ़ी शस्त्र विद्या से अनभिज्ञ है। इससे उन्हें असामाजिक तत्वों द्वारा सताया जाता है। गुरुकुल क्रांति की वेबसाइट ***www.gurukulkranti.com*** *पर श्री खट्टर ने कहा कि आज हमें शस्त्र ज्ञान के साथ शास्त्र ज्ञान होना जरूरी है। एक हाथ में शांति व दूसरे हाथ से क्रांति के लिए आवश्यकता है। माला के साथ हमें भाला का भी ज्ञान लेना होगा। केवल हनुमान चालीसा पढ़ने से कुछ नहीं होगा, हनुमान के जैसे गदा चालन या शस्त्र चलाना आना चाहिए। उन्होंने संगठित रहने पर भी जोर दिया।*

नाक-कान और गला रोगियों को डाक्टर्स की सलाह, छात्रों ने पोस्टर में दिया बचाव का मंत्र

रायपुर। नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञों ने 12वीं वार्षिक जीवंत कार्यशाला का आयोजन एम्स में किया गया। सोमवार को समापन सत्र में डॉक्टर्स ने रोगियों को सलाह दी कि नाक, कान व गला शरीर का अहम अंग है। इसके रोगियों को एक्सपर्ट ने सलाह देते हुए कहा कि इससे संबंधित किसी भी तरह की समस्या होने पर डॉक्टर्स की सलाह लेनी चाहिए। जाने-अनजाने में लोग उक्त रोग से ग्रसित होने के बाद भी गंभीरता से लेने के बजाय यहां-वहां के नुस्खे अपनाते हैं। इससे रोग से निजात मिलने के बजाय वह गंभीर रूप ले लेता है। ईएनटी सर्जन डॉ. सतीश जैन जयपुर ने 6 मरीजों का कठिन ऑपरेशन किया। उनकी तकनीकी बारीकियों से छत्तीसगढ़ एवं आसपास से पहुंचे 170 रोगियों को और विशेषज्ञों को भी अवगत कराया।

साझा की माइक्रो सर्जरी की तकनीक

प्रो. जेपी निगम स्मृति व्याख्यान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के डायरेक्टर कर्नल अशोक जिंदल ने दिया। उन्होंने शोर से संबंधित सामाजिक पहलुओं और स्थाई व्याधियों को रोकने के लिए डॉक्टर्स से आव्हान किया। डॉ. आरएल गुप्ता, डॉ. राजीव पचौरी ने कान की माइक्रो सर्जरी के बारे में डॉक्टरों को जानकारी दी। इस साल अखिल भारतीय नीट सुपर स्पेशलिस्ट परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त एम्स रायपुर की उत्तीर्ण छात्र डॉ. राईमा का सम्मान डॉ. जिंदल एवं ईएनटी विभाग अध्यक्ष रेणु राजगुरु ने किया। इस दौरान कांफ्रेस कमेटी के डॉ. अशोक बजाज, डॉ. सतीश राठी, डॉ. अनिल जैन और डॉ. ओमप्रकाश लेखवानी, डा. रिपुदमन अरोरा, डॉ. वर्षा मुनगुटवार, डॉ. दिग्विजय सिंह मौजूद थे।

महाकोशल परशुराम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी आज, कलाकारों ने तैयार की जीवंत तस्वीर

रायपुर। महाकौशल कला परिषद में महाकोशल परशुराम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन मंगलवार को किया जा रहा है, इसमें देशभर के वरिष्ठ कलाकारों समेत युवा और बाल कलाकारों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, जिन्होंने भगवान परशुराम के जीवन चरित्र को परिभाषित किया। दो दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ मंगलवार को होगा, जिसमें भगवान परशुराम का वात्सल्य स्वरूप, श्री गणेश और भगवान परशुराम का युद्ध, श्रीराम-सीता विवाह में लक्ष्मण-परशुराम संवाद, परशुराम का वन गमन, शिव के धनुष पर श्रीराम व परशुराम का संवाद जैसे अनेक विषयों पर जीवंत चित्र बनाए गए हैं।

दो दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ

प्रदर्शन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश मिश्र एवं डॉ. केबी शर्मा होंगे। रोजाना प्रदर्शनी शाम 6 बजे से प्रारंभ होगी। कलाकारों ने वॉटर कलर, ऑयल पेंट, एक्रेलिक और चारकोल की मदद से मनमोहक चित्रकारी की प्रस्तुति दी है, दो दिवसीय प्रदर्शनी में चित्र के माध्यम से भगवान परशुराम की महिमा को दर्शाने का प्रयास किया है। कला प्रदर्शनी में प्रिनाका नाग, शांभवी शर्मा, दिशा ठाकुर, समृद्धि गुप्ता, शुभ अग्रवाल, अमृता भट्टाचार्य, दिव्यांशी शर्मा, स्वयं जैन, पार्थ राय सागर, परि मारोठिया, रोमा लच्छवानी, प्रीति लच्छवानी, रुबिना बोस, सौम्यजीत भट्टाचार्य, तृणा विश्वास, मीनल पुजारी, तनीषा अग्रवाल, परीयुल जैन, धनंजय पंवार, राधिका द्विवेदी, हनी लच्छवानी, अंशुमान शर्मा आदि कलाकारों की तस्वीरों का चयन किया गया है।

अग्रसेन कॉलेज कैंपस में 22 साल बाद मिले, पुराने दोस्तों को देख खिले चेहरे

कॉर्नर न्यूज

एलुमनी मीट में बरसों पुराने दोस्तों से मुलाकात, दोस्ती के गीतों पर झूमे

रायपुर। विद्यार्थी जीवन छात्रों के लिए खुशियों का पिटारा होता है, जहां दोस्तों के साथ बिताया वक्त लोगों के लिए उनकी पूंजी होता है। पुरानी बस्ती स्थित अग्रसेन कॉलेज में एलुमनी मीट का आयोजन किया गया, जहां साल 2002 से 2024 तक के पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया गया। 22 साल बाद कैम्पस व क्लासरूम में बिताया गया समय दोस्तों से मुलाकात होते ही याद आ गया। एलुमनी की शुरुआत बैंड ग्रुप के शानदार परफॉर्मेंस के साथ हुई। इस दौरान सदाबहार गीतों ने कैम्पस में समां बांधा। इस अवसर को खास बनाने में पूर्व एवं वर्तमान विद्यार्थियों ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। इससे कॉलेज में उत्साह का माहौल बना।

संकल्प, साधना व समर्पण भाव जरूरी

एलुमनी मीट में पूर्व छात्र-छात्राओं ने पुरानी यादों को साझा किया। इसमें कॉलेज कैंटीन, लाइब्रेरी, प्राध्यापकों की फटकार, दोस्तों के साथ बिताए वक्त को याद किया। कई छात्रों ने सालों बाद अपने दोस्तों से मुलाकात की। कॉलेज के निदेशक डॉ. वीके अग्रवाल ने कहा कि जीवन में संकल्प, साधना और काम के लिए समर्पण का भाव व्यक्ति को सफलता के लिए प्रेरित करता है। एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि कॉलेज के पूर्व छात्र रीढ़ की हड्डी की तरह होते हैं। यह विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत होते हैं। प्राचार्य डॉ. यूलेंद्र राजपूत, प्राध्यापक अनुराग अग्रवाल, प्रो. रुक्मिणी अग्रवाल मुख्य रूप से शामिल हुए।

बरसों बाद हुई दोस्तों से मुलाकात

एलुमनी मीट के दौरान संगीत, बॉलीवुड गानों पर डांस और रोमांचक गेम्स का भी आयोजन किया गया, जिसके विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर अग्रसेन कला केंद्र से रुचि विश्वकर्मा ने गणेश वंदना पर शानदार प्रस्तुति दी, साथ ही अन्य छात्रों ने विद्यार्थी जीवन की यादें साझा कीं। कहा, विद्यार्थी जीवन में शिक्षकों का मार्गदर्शन विद्यार्थियों के लिए जरूरी है, सही राह पर आगे बढ़ने के लिए कॉलेज में प्राध्यापक प्रेरित करते हैं। विद्यार्थी जीवन में दोस्तों के साथ कैंटीन में बिताया वक्त, क्लासरूम की मस्ती और एग्जाम टाइम की ग्रुप स्टडी खास यादों में शामिल है।

दोस्ती के गीत सुनकर आंखें नम

यारों दोस्ती.. बड़ी ही हसीन है...गाने से बैंड परफॉर्मेंस की शुरुआत की गई, जिसके बाद तेरे जैसा यार कहां...बड़े अच्छे लगते हैं, ये धरती, ये नदिया...गुलाबी आंखें..जैसे सदाबहार सुपरहिट गानों की प्रस्तुति दी गई। एलुमनी मीट में पुराने गानों पर भूतपूर्व छात्रों ने भी प्रस्तुति दी, जिसमें दोस्ती और बीती यादों के गाने गुनगुनाए गए।

समाज लाइव

संतों के आशीष से सजेगा 'कंवर जो मेलो', मीटिंग में दिया जिम्मा

रायपुर। इस साल भी 25 मई को साईं राजेश लाल, संत डॉ. युधिष्ठिर लाल, अम्मा मीरा देवी, चकरभाठा के संत साईं लालदास के सानिध्य में सिंधी समाज द्वारा कंवर जो मेलो का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, छाया गीत एवं अनिल भगत द्वारा भजन और गीत पेश किए जाएंगे। आरती, अरदास, भोग साहिब के बाद संतों के आशीर्वचन एवं वरिष्ठों का संबोधन होगा। अंत में पल्लव के बाद कंवर जो मेलो का समापन होगा। समाज के लोगों को इससे जोड़ने के लिए पदाधिकारियों को दायित्व दिया गया है। यह जानकारी देते हुए किशोर आहूजा और पवन प्रीतवानी ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए टीम बनाई जाएगी।

तालमेल बनाने के लिए मंथन

सोमवार को कार्यकारिणी की मीटिंग में संत कंवरराम परमार्थ संस्थान के अध्यक्ष अमित जीवन के साथ ही कोषाध्यक्ष राम खटवानी, किशोर आहूजा, वासु जीवन, आचरमल वाधवानी, राजेश वासवानी मौजूद थे। आपसी तालमेल से इस आयोजन को सफल बनाने की सलाह मुरलीधर शादीजा, डीआर वाधवानी ,चेतन तारवानी, बाशाराम बजाज, प्रहलाद शादीजा ने दिया। वहीं राजू तारवानी, राजकुमार सोनी, अजय जयसिंघानी, पंकज चिजवानी और अमरदास खट्टर को आयोजन को सफल बनाने के लिए दायित्व दिया गया।

मंडप के साजो सामान डिजाइनर्स-कस्टमाइज बेटी-दामाद को उपहार देने पैकेजिंग का क्रेज

वेडिंग सीजन शुरू होने के साथ ही बाजार में बढ़ने लगी रौनक, समय बचाने दुकानदार दे रहे सहयोग

'शादी का सीजन शुरू होते ही बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। बेटी-दामाद को उपहार में दिए जाने वाले साजो-सामान को डिजाइनर्स और कस्टमाइज कराने लगे हैं। अब ग्राहक का समय बचाने के साथ सभी जरूरी सामान की पैकेजिंग का क्रेज है। दुल्हन के लिए मेकअप से लेकर मंडप सजाने का सामान एक ही दुकान पर मिलने लगा है। लोग फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक, बर्तन, पूजा-रस्म, मेकअप और ड्रेस की पैकेजिंग कराने में लगे हैं।'

रायपुर। अप्रैल माह में अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त में भी लोग अपने परिवार के विवाहयोग्य युवक-युवतियों का शुभ विवाह करते हुए दायित्व निभाते हैं। इसमें सुबह 4 बजे से दूसरे दिन 2 बजकर 11 मिनट तक विवाह के लिए शुभ योग बन रहा है। आधुनिकता के दौर में उपहार सामग्री खरीदने के तौर-तरीके में भी बदलाव देखने को मिलने लगा है। जहां लोग एक ही डिजाइन और कंपनी की वस्तुएं खरीदना पसंद करते हैं। इन दिनों फर्नीचर से लोग घर और कमरा भी डिजाइन कराना पसंद करने लगे हैं। इसके लिए लगातार इंटीरियर डिजाइनर से भी सुझाव लेने लगे हैं। इस ट्रेड को देखते हुए दुकानों में भी वेडिंग सीजन के लिहाज से साजो-सामान की पैकेजिंग की जाने लगी है। इस नए ट्रेड से दुकानदार को ग्राहकी और ग्राहक का समय भी बचने लगा है।

दुकानों में मिलने लगा सजा मंडप

शादियों में सूपा, पर्रा, मटकी, चुकिया, दीपक, धुकनी, मऊर, कलश, टोकरी मंडप की रस्मों के लिए जरूरी है। इन दिनों एक ही दुकान पर सभी वस्तुएं मिलने लगी हैं। गोलबाजार स्थित दुकान संचालक मोनिका मानिकपुरी ने बताया कि दुकान में लोगों की डिमांड पर कस्टमाइज और सजी हुई सामग्री भी उपलब्ध है। इसकी कीमत 7-8 हजार रुपए तय है। सामान्य सामग्री की कीमत 4-5 हजार रुपए है।

शादी से पहले रेनोवेशन का ट्रेंड

इंटीरियर डिजाइनर शरद उपाध्याय ने बताया कि वेडिंग सीजन से पहले लोग अपना कमरा, घर रेनोवेट कराना पसंद कर रहे हैं। वर-वधु पक्ष उपहार की जगह दूल्हा-दुल्हन की पसंद के अनुसार डिजाइनर फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट से घर डेकोरेट कराते हैं। इसके लिए उन्हें दो से तीन लाख का पैकेज भी मिलता है। इसकी कीमत डिजाइन और फर्नीचर के तहत बढ़ती है। इन दिनों यह मॉडर्न फैमिली की पहली पसंद बनी हुई है। शादी से कुछ माह पहले ही इसकी तैयारी शुरू हो जाती है।

अब डिजाइनर फर्नीचर की डिमांड

वेडिंग सीजन शुरू होते ही गिफ्ट हैंपर्स की डिमांड बढ़ने लगी है। इनमें फर्नीचर व इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट शामिल हैं। इन दिनों टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, कूलर या एसी की पैकेजिंग कराने का चलन है। वहीं एक ही डिजाइन और फर्नीचर के उपयोग से टी-टेबल, सोफा, पलंग, ड्रेसिंग, डायनिंग टेबल, आलमारी का पैकेज तैयार किया जाता है। इसकी कीमत 45-75 हजार रुपए से शुरू है। आमापारा स्थित फर्नीचर दुकान के संचालक मोतीलाल नागवानी ने बताया कि लोग बजट के अनुसार खरीदी करते है, इसलिए दो से तीन लाख का पैकेज दुकान में उपलब्ध है। डिमांड पर कस्टमाइज फर्नीचर भी तैयार कर देते हैं।

उपहार देने के लिए बर्तनों का पैकेज

छत्तीसगढ़ी परंपरा के तहत विवाह में पचहर बर्तन, पीतल की सुराही, पेटी और स्टील का ड्रम उपहार में शामिल होता है। जो विवाह के दौरान वधु के माता-पिता भेंट करते हैं। लाखेनगर स्थित बर्तन दुकान के संचालक प्रकाश शर्मा ने बताया कि परंपरा के अनुसार दहेज में 30-35 से अधिक बर्तन दिए जाते हैं। इसकी कीमत 20-25 हजार रुपय तय है। दुकान में लोगों की डिमांड और बजट में पैकेज भी तैयार करके दिया जाता है। इसमें कई उपहार विशेष रूप से पैकेजिंग के साथ ग्राहक को दुकानदार देते हैं। वेडिंग सीजन में वर-वधु पक्ष मेकअप की वस्तुएं भी कस्टमाइज कराना पसंद करते हैं। इन दिनों मेकअप के सभी प्रोडक्ट हैंपर में तैयार किए जा रहे हैं। इसमें दूल्हा-दुल्हन के लिए 15-20 हजार का मेकअप प्रोडक्ट का गिफ्ट हैंपर तैयार किया जाता है।

धर्म लाइव

गोस्वामी समाज ने शुरू की गुरु शंकराचार्य जन्मोत्सव की तैयारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सनातन दशनाम गोस्वामी समाज ने 4 मई को राजधानी के शहीद स्मारक भवन में भगवान जगद्गुरु शंकराचार्य का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाने की तैयारी शुरू की है। इस आयोजन में गोस्वामी समाज के पदाधिकारी प्रदेशभर से जुटेंगे। कार्यक्रम मंत्रोच्चार के साथ सुबह 10 बजे शुरू होगा। पूजा-अर्चना के बाद शंकराचार्य पर केंद्रित व्याख्यान और इससे पहले अतिथियों का स्वागत होगा। इसमें डिप्टी सीएम अरुण साव मुख्य अतिथि होंगे। महापौर मीनल चौबे अध्यक्षता करेंगी और विशिष्ट अतिथि राजेश्री महंत रामसुंदर दास होंगे। महंत विवेक गिरी महाराज, सच्चिदानंद गिरी इसमें शामिल होंगे।

व्यवस्था बनाने बांटी गई जिम्मेदारी

आयोजन को सफल बनाने प्रदेश अध्यक्ष मोहन पुरी, कोषाध्यक्ष सुधीर बन, महासचिव संजय गिरी ने तैयारी शुरू की है। इसके संयोजक प्रभाकर बन, वेदपुरी गोस्वामी कोषाध्यक्ष और रमेश पुरी सचिव और योगेंद्र पुरी प्रचार सचिव हेमंत बन, कपिल पुरी ने बताया कि इसे गरिमामय बनाने के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी बांटी गई है। इस अवसर पर 2024-25 में 10वीं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक 75% प्राप्त छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। महिलाओं व पुरुषों को राज्य शासन से अथवा केंद्र शासन अथवा किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से खेल, संगीत कला के लिए सम्मानित किया जाएगा।

वन नेशन वन इलेक्शन का पार्लियामेंट में दिखेगा असर, सुधरेगी अर्थव्यवस्था

सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में संगोष्ठी का आयोजन

रायपुर। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद एवं सिंधी कौंसिल ऑफ इंडिया के तत्वावधान में वन नेशन वन इलेक्शन पर सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त न्यायाधीश अग्रलाल जोशी ने वन नेशन और वन इलेक्शन के समर्थन में प्रस्ताव रखा। मुख्य अतिथि रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी सहित सभी सैकड़ों लोगों ने समर्थन में हस्ताक्षर किए।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता श्री जोशी ने सभी को प्रस्ताव पढ़कर सुनाया और विचार रखे। कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि से यह निर्णय हो सका है। इससे राष्ट्र की आर्थिक स्थिति और सुदृढ़ होगी। विधायक श्री सोनी ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन से लोगों को मतदान में सहूलियत होगी। पीएम की यह सोच राष्ट्रहित में है। इसका पार्लियामेंट में भी असर देखने को मिलेगा।

देश के विकास में खर्च होगा पैसा

चुनाव में खर्च होने वाली राशि का लगभग 80 प्रतिशत बचेगा और देश के विकास में खर्च होगा। समय की बचत के साथ अच्छे प्रतिनिधि चुनकर आएंगे और देश में अद्भुत परिवर्तन दिखेगा। साथ में सभी दलों का पैसा बचेगा। इस संगोष्ठी में भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक जेपी चंद्रवंशी ने भी संबोधित किया। इसका संचालन अधिवक्ता बृजेशनाथ पाण्डेय ने किया। संगोष्ठी में दिए गए समर्थन के प्रस्ताव को राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। इस अवसर पर ललित जैसिंघ, रूपेंद्र दुबे, सतीश गुप्ता, सुनील कुकरेजा,धनेश मटलानी, चंदर देवानी, रितेश वाधवा, तेजकुमार बजाज मौजूद थे।

आईजीकेवी के प्रोफेसर को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन के प्रोफेसर डॉ. दीपक शर्मा ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सोमवार को 60वें वार्षिक चावल अनुसंधान समूह भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान हैदराबाद में आयोजित वर्कशॉप में डॉ. शर्मा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्होंने म्यूटेंट धान की 6, औषधीय धान की एक, हाइब्रिड धान की दो, एवं धान की अन्य लगभग 10 से ज्यादा किस्मों के विकास में टीमवर्क के रूप में काम किया।

जीरा फूल और नगरी दुबराज का अहम योगदान

डॉ. शर्मा 35 वर्षों से धान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्तमान में धान की उच्च उपज क्षमता वाली विक्रम टीसीआर और देश की पहली औषधीय धान की किस्में बीएआरसी के सहयोग से विकसित करते हुए छत्तीसगढ़ के लिए उल्लेखनीय काम किया। धान की दो किस्मों जीरा फूल और नगरी दुबराज केजीआई प्रदान करने और किसानों की 600 किस्मों के रजिस्ट्रेशन में भी अहम योगदान दिया है।

मरीजों की मदद के लिए मेकाहारा में बांटे गए व्हीलचेयर-स्ट्रेचर

रायपुर। अग्रणी सामाजिक संस्था वक्ता मंच द्वारा सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में मरीजों के लिए स्ट्रेचर और व्हील चेयर वितरित किए गए। इस मौके पर कवयित्री शुभा शुक्ला और वक्ता मंच के माध्यम से मेकाहारा अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर को व्हीलचेयर-स्ट्रेचर भेंट किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य मरीजों की सेवा करना रहा। इस अवसर पर डॉ. सोनकर ने संबोधन में कहा कि संस्थान द्वारा जनसहयोग मरीजों के लिए फायदेमंद साबित होगा, जिसकी सुविधा सभी मरीज ले सकेंगे।

सामाजिक स्तर पर लोगों को किया प्रोत्साहित

संस्थान के अध्यक्ष राजेश पराते ने बताया कि संस्थान द्वारा साहित्य, शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में कुशल कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाता है। इसमें बच्चों से लेकर बुजुर्ग वर्ग के लोग शामिल होते हैं, अक्सर यह कार्यक्रम सामाजिक स्तर पर लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए किया है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों की कला एवं कौशल को बढ़ावा देना है।

मरीजों की मदद करना पुण्य का काम

कवयित्री शुभा शुक्ला कहा कि अस्पताल में मरीजों की सेवाभाव से मदद करना पुण्य का काम है, यह पहल अन्य लोगों के लिए प्रेरणा स्वरूप है। वक्ता मंच द्वारा अक्सर जनहितकारी कार्य किया जाता है, इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और जरूरतमंद लोगों की मदद करना शामिल है। कार्यक्रम में संस्थान के संयोजक शुभम साहू, यातायात प्रशिक्षक टीके भोई, देव मानिकपुरी, चंद्रकला त्रिपाठी, ज्योति शुक्ला, रुनाली चक्रवर्ती, परम कुमार, उमा स्वामी, निवेदिता तिवारी, विजया श्रीस्वामी, रामचंद्र श्रीवास्तव, चंद्रशेखर साहू, दुर्गेश साहू, अंकुर शुक्ला, अतल ओम शुक्ला उपस्थित रहे।

ये भी जाने

गुलाब के पौधे का इस तरह से रखें ध्यान, रहेगा हरा-भरा, अच्छे खिलेंगे फूल

गुलाब का पौधा घर की सुंदरता बढ़ाने का एक अच्छा तरीका है। इसे सही देखभाल की जरूरत होती है ताकि यह लंबे समय तक खिला रहे। अगर आप चाहते हैं कि आपका गुलाब का पौधा हमेशा खिला रहे तो इसके लिए कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आइए गुलाब के पौधे की देखभाल के लिए आसान और प्रभावी टिप्स जानते हैं ताकि इसके फूलों की ताजगी और खुशबू आपके घर की शोभा बढ़ा सकें।

रोज पानी देना है जरूरी : गुलाब के पौधे को स्वस्थ रखने के लिए इसे रोज पानी देना जरूरी होता है, खासकर गर्मियों में जब तापमान ज्यादा होता है तो पौधे को दिन में दो बार पानी दें। सुबह और शाम का समय सबसे सही होता है क्योंकि इस समय मिट्टी ठंडी रहती है और पानी जल्दी सोख लिया जाता है। ध्यान रखें कि पानी पौधे की जड़ों तक पहुंचे ताकि वह अच्छे से बढ़ सके।

धूप का रखें ध्यान : गुलाब के पौधे को अच्छी तरह से बढ़ने के लिए धूप की जरूरत होती है। इसे ऐसी जगह रखें जहां सीधी धूप आती हो, लेकिन ध्यान दें कि बहुत तेज धूप से पत्तियां जल सकती हैं। सुबह की धूप सबसे अच्छी होती है इसलिए पौधे को सुबह के समय धूप वाली जगह पर रखें। अगर आपके पास ऐसा स्थान नहीं है तो पौधे को बाहर ले जाकर धूप दिखाएं।

खाद का करें उपयोग : गुलाब के पौधे को पोषण देने के लिए समय-समय पर खाद डालना जरूरी है। महीने में एक बार जैविक खाद या अन्य प्रकार की खाद डालें ताकि पौधे को जरूरी पोषक तत्व मिल सकें। इससे उसकी जड़ें मजबूत होती हैं और फूल भी अच्छे आते हैं। ध्यान रखें कि ज्यादा खाद डालने से पौधे को नुकसान हो सकता है इसलिए मात्रा का ध्यान रखें।

घर से निकलते समय इन चीजों का होना है लाभ का संकेत, हर तरफ से आएगी खुशहाली

शकुन शास्त्र ज्योतिष से जुड़ी एक ऐसी विद्या है, जो हमें व्यक्ति के जीवन में होने वाली शुभ और अशुभ घटनाओं की जानकारी देती है। एक बार ऐसा होता है कि जब हम कोई जरूरी काम करना चाहते हैं तो हमें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में व्यक्ति यह नहीं समझ पाता कि आखिरकार ऐसी क्या चीज है जो उसके कामों में अड़ंगा लगा रही है।

जिस तरह से काम में परेशानी आती है इस तरह से कई बार ऐसा भी होता है कि हमें जिस चीज की उम्मीद भी नहीं होती वह भी पूरी हो जाती है। हर तरफ से शुभ समाचार मिलने लगते हैं और समस्याएं समाप्त हो जाती है। अपने आसपास होने वाले कुछ चीजों को अगर हम समझ ले तो शकुन अपशकुन की पहचान आसानी से कर सकते हैं। कई बार ऐसा होता है कि हम घर से निकलते हैं तो कुछ ऐसी चीज होती है, जो हमें लाभ का इशारा देती है। चलिए आज आपको इसी के बारे में बताते हैं।

पैसों का गिरना : कई बार जब हम कहीं जाने के लिए तैयार होते हैं तो हमारी जेब से पैसे गिर जाते हैं। यह एक शुभ संकेत होता है जो हमें धन लाभ होने की जानकारी देने का काम करता है। अगर पैसे, कपड़े उतारते समय गिर रहे हैं तो यह भी धन लाभ होने का संकेत है।

कुंवारी लड़कियों को देखना : कई बार जब हम घर से निकलते हैं तो कुछ लोगों को या लड़कियों को आपस में बात करते हुए देखते हैं। यह चीज उस समय बेहद शुभ मानी गई है जब आप वर या वधू के लिए लड़का या लड़की देखने जा रहे हैं। यह बहुत अच्छा सुकून होता है जो रिश्ता होने के योग बनता है।

पक्षी का बीट करना : कई बार जरूरी काम के लिए जाते समय पक्षी हमारे ऊपर बीट कर देता है। यह चीज हमें परेशान जरूर कर देती है लेकिन यह काफी शुभ माना गया है। संकेत है कि जीवन से दरिद्रता समाप्त होने वाली है और ढेर सारी खुशियों का आगमन होगा।

गाय का आना : जब हम घर से निकल रहे हैं और अचानक हमें गाय दिखाई दे रही है या फिर कोई विवाहित महिला नजर आ रही है तो यह बहुत शुभ माना जाता है। यह संकेत हमें बताता है कि हम जिस काम के लिए घर से निकल रहे हैं उसमें हमें सफलता की प्राप्ति जरूर होने वाली है।

नेवला देखना : वैसे तो यह बहुत कम होता है लेकिन अगर सुबह-सुबह उठने के बाद आपको नेवला नजर आए तो यह बहुत अच्छा संकेत होता है। यह हमें गुप्त धन की प्राप्ति और कार्यों में सफलता का संकेत देता है।

बच्चों को एसी-कूलर के दुष्प्रभाव से बचाने एहतियात जरूर बरतें

बच्चे को एसी या कूलर की आदत पड़ चुकी तो इन बातों का रखें ध्यान, नहीं पड़ेंगे बीमार

मई के पहले ही गर्मी का कहर शुरू हो चुका है। हर कोई गर्मी से बेहाल है। गर्मी और उमस से छुटकारा पाने के लिए हर कोई कूलर या एसी में रहना चाहता है। एसी या कूलर की हवा काफी हद तक आपको सुकून पहुंचाती है। लेकिन क्या यह हवा नवजात शिशु या छोटे बच्चों के लिए सुरक्षित होती है ? अक्सर माता पिता इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. रीमा पांडया के मुताबिक आप बच्चे को एसी या कूलर की हवा में सुला सकते हैं लेकिन आपको इस दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना होता है। आइए जानते हैं बच्चे को एसी या कूलर में सुलाते वक्त किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

हो सकता है त्वचा रोग

एयर कंडीशनर में बच्चे को सुलाने के कारण त्वचा का रूखापन बढ़ सकता है। इससे त्वचा रोग हो सकता है। ऐसे में आप अपने बच्चे को टाइम टू टाइम डॉक्टर के बताए मॉइस्चराइजर लगाएं। साथ ही उसे स्तनपान भी कराते रहें, इससे हाइड्रेशन बनी रहेगी। वहीं अगर आपका बच्चा बीमार रहता है या प्रीं-मैच्योर है तो उसे एसी या कूलर की हवा में सुलाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

बच्चों की इम्यूनिटी कमजोरी होती है

बच्चे को एसी या कूलर में सुलाते हैं तो हमेशा ध्यान रहे कि आपके बच्चे पर सीधी हवा नहीं पड़े। बच्चों की इम्यूनिटी कमजोरी होती है ऐसे में थोड़ी सी ठंड में भी आपके बेबी को सर्दी जुकाम और बुखार हो सकता है। समय-समय पर आप अपने बच्चे के शरीर को छूते रहें, ताकि आपको मालूम चले कि बच्चे को बुखार तो नहीं। बच्चे को अगर आप एसी वाले कमरे से दूसरे कमरे में शिफ्ट कर रहे हैं तो तुरंत ऐसा न करें, पहले एसी बंद करके बॉडी को रूम टेंपरेचर पर लाएं, इसके बाद ही उसे दूसरे कमरे में ले जाएं।

एसी का तापमान 23 से 26 रखें।

बच्चे को बहुत ज्यादा देर तक ठंडे तापमान पर ना रखें, इससे बॉडी टेंपरेचर लो होने का खतरा हो सकता है। एसी वाले कमर में बच्चे को सुलाते हैं तो एसी का तापमान 23 से 26 रखें। इससे कम तापमान करते हैं तो बच्चा बीमार पड़ सकता है। अगर एसी या कूलर में बच्चे को सुलाते भी हैं तो उन्हें अच्छी तरह से कवर कर दें। बीच बीच में बच्चे को चेक करती रहें कि कहीं ठंड के कारण उन्हें ठिठुरन तो नहीं हो रही है।

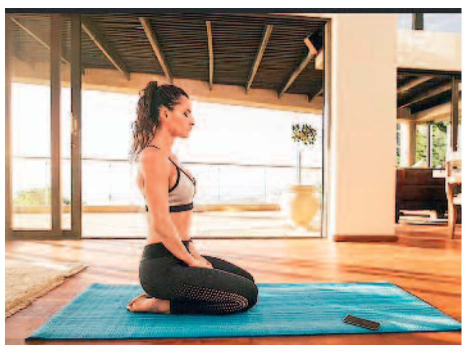

खाने के बाद करें ये योगासन, फटाफट हजम हो जाएगा भोजन

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, योग शरीर और मस्तिष्क दोनों के लिए फायदेमंद होता है। तमाम बीमारियों से बचाव और उपचार में योग असरदार है। शरीर को लचीला बनाने, मांसपेशियों की मजबूती और अतिरिक्त वसा को घटाने के लिए नियमित योगासन के अभ्यास की सलाह दी जाती है।

मानसून में पेट संबंधी शिकायत हो सकती है। बारिश के मौसम में गर्मागर्म पकोड़े, समोसे आदि के सेवन से अपच, दर्द और पेट फूलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। पाचन क्रिया सही तरीके से न होने से कई शिकायत हो सकती हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि रात के भोजन के तुरंत बाद नहीं सोना चाहिए और कम से कम तीन घंटे का अंतराल हो, जिसमें पैदल चल सकते हैं या योग कर सकते हैं।

यहां कुछ योगासनों के बारे में बताया जा रहा है, जिसका अभ्यास खाने के बाद करना चाहिए, इससे फटाफट भोजन पच जाता है और पेट संबंधी समस्याएं नहीं होती हैं।

वज्रासन

रात को खाने के बाद वज्रासन का अभ्यास कर सकते हैं। यह पाचन के लिए सबसे फायदेमंद योगासनों में शामिल है। इस आसन के अभ्यास से ऊपरी शरीर और पेट को स्ट्रेच करने में मदद मिलती है। खाली पेट वज्रासन के अभ्यास की सलाह दी जाती है लेकिन इस आसन को भोजन के बाद करना अधिक फायदेमंद होता है।

गोमुखासन

गोमुखासन रीढ़ और पेट की मांसपेशियों में खिंचाव लाने में मदद करता है। इससे पाचन में मदद मिलती है और खाने के बाद इस आसन के अभ्यास से पेट का इलाज होता है। पाचन क्रिया को आसान बनाने के लिए नियमित इस योग का अभ्यास किया जा सकता है।

गोमुखासन के अभ्यास के लिए बाएं पैर को मोड़कर टखने को बाएं कूल्हे के पास रखें। अब दाहिने पैर को बाएं पैर पर इस तरह रखें कि दोनों घुटने एक-दूसरे को स्पर्श करें। अब हाथों को पीछे की ओर ले जाते हुए दाएं हाथ से बाएं हाथ को पकड़ लें। रीढ़ को सीधा रखते हुए लगभग 1 मिनट तक गहरी सांसें लें। धीरे धीरे पुरानी अवस्था में आ जाएं।

धनुरासन

धनुरासन पाचन अंगों के कार्य को बढ़ाने में सहायक है। इस आसन के अभ्यास से पाचन बेहतर होता है। धनुरासन करने के लिए पेट के बल लेट कर पैरों को मोड़ते हुए छूने का प्रयास करें। बाहों और हाथों के उपयोग से टखनों को पकड़ें। टखनों को पीछे की ओर रखते हुए कंधों को खिंचाव दें।

कटे फलों पर नमक या शक्कर डालकर खाना हानिकारक, सेहत को हो सकता है नुकसान

क्या आपने गर्मियों में तरबूज पर नमक छिड़क कर या अमरूद पर चाट मसाला मिलाकर खाया है? खरबूजे में चीनी मिलाकर स्वाद लिया है? अक्सर लोग ताजे फलों को काटकर खाते हैं या उनका सलाद बनाते हैं। फ्रूट सलाद बनाने के लिए कटे हुए फलों पर लोग चाट मसाला या नमक छिड़कते हैं। इससे फल का स्वाद बढ़ जाता है। घर पर प्याज, खीरा आदि भी काटकर सलाद बनाते हैं और उसमें नमक मिलाते हैं। कई बार फल की मिठास को और बढ़ाने के लिए लोग कटे फलों में चीनी मिला लेते हैं। अगर आपको भी कटे फलों में ऊपर से शक्कर, नमक या चाट मसाला डालकर खाना पसंद है तो सावधान हो जाइए। इस तरह के फलों का सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। फल के सेवन का सही तरीका जानें ताकि सेहत पर बुरा असर न पड़े।

फल में नमक मिलाकर खाने के नुकसान : विशेषज्ञों के मुताबिक, कटे फल पर नमक छिड़कने पर वह पानी छोड़ने लगता है। इस से फल में मौजूद न्यूट्रिएंट्स खत्म हो जाते हैं। वहीं नमक या चाट मसाले में मौजूद सोडियम किडनी पर असर करता है। अगर आप नमक के साथ चाट मसाला भी मिलाते हैं, तो शरीर में सोडियम की मात्रा ज्यादा हो जाती है, क्योंकि चाट मसाले में भी नमक होता है।

फल खाने का तरीका : फलों के सेवन का एक सही तरीका होता है। अक्सर लोग खाने के साथ ताजे फलों का बना सलाद खाते हैं। भारतीय भोजन में कार्ब और कैलोरी भरपूर मात्रा में होती है। लेकिन जब हम भोजन के साथ फल का सेवन करते हैं तो कार्ब और कैलोरी बढ़ जाती है। ऐसे में भोजन में कार्ब की मात्रा को कम करके फल साथ में खा सकते हैं। वरना खाना और फल को एक साथ मिक्स करके न खाएं।

फल में शक्कर मिलाकर सेवन के नुकसान

फल में प्राकृतिक मिठास होती है। फलों में ग्लूकोज भी पाया जाता है, जो कैलोरी बढ़ाता है। ऐसे में अगर आप कटे फलों में ऊपर से चीनी मिलाते हैं, जो शरीर में मिठास की मात्रा अतिरिक्त हो जाती है। इससे डायबिटीज की समस्या बढ़ सकती है। अतिरिक्त शर्करा से वजन भी बढ़ता है। जो मरीज मधुमेह से पीड़ित हैं उनके लिए फलों में ऊपर से चीनी मिलाकर खाना नुकसानदायक हो सकता है।

तुलसी के पत्तों के इस उपाय से बदल सकती है आपकी किस्मत

घर में तुलसी का पौधा रखने से आर्थिक तंगी दूर होती है। शास्त्रों में इसे देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता है। तुलसी के पौधे की नियमनुसार पूजा करने से वास्तु दोष भी दूर होता है। हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत पवित्र माना जाता है। त्योहारों में इनकी पूजा करने से घर में लक्ष्मी जी का वास होता है। ऐसी मान्यता है जिस घर में तुलसी का पौधा होता है, वहां हमेशा देवी मां की कृपा बनी रहती है। बता दें, भगवान विष्णु के अलावा श्रीकृष्ण और हनुमान जी को भी तुलसी अति प्रिय है। तुलसी न केवल धार्मिक दृष्टि से फलदायी है बल्कि इसे स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक माना जाता है। इसमें मौजूद औषधीय गुण शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। तुलसी की पत्तियों से जुड़ें उपाय जीवन की राह बदलने के काम करते हैं। दरअसल, तुलसी की पत्तियों के उपाय करने से तरक्की के योग बनते हैं। साथ ही कई अन्य लाभ भी जातक को मिलते हैं। इसी कड़ी में आइए इससे मिलने वाले अन्य लाभ के बारे में भी जान लेते हैं।

तुलसी की पत्तियों के उपाय

शुक्रवार के दिन तुलसी के पौधे से 11 पत्तियां तोड़कर आटे के डिब्बे में डाल दें। मान्यता है कि इससे अन्न की कमी नहीं होती है। साथ ही घर परिवार में बरकत होती है। अगर आप आर्थिक समस्या से परेशान हैं, तो तुलसी के पत्तों को किसी लाल रंग के कपड़े में बांधकर रख दें। बाद में इसे अपने पर्स या अलमारी में किसी जगह रख दें। ऐसा करने से घर में धन की आवक बढ़ती है। गुरुवार के दिन तुलसी की पत्तियों को भगवान विष्णु जी को अर्पित कर दें। बाद में इन्हें पीले रंग के कपड़े में बांधकर अलमारी में रख दें। इससे मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी। भाग्योदय के लिए आटे के दीपक में घी डालें। फिर इसके बाद एक चुटकी हल्दी डालकर शाम के समय इसे प्रज्वलित करें। बाद में उस दीपक तुलसी की जड़ों में उत्तर दिशा में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से आपकी बंद किस्मत खुल सकती है। मनोकामना पूरी करने के लिए आप पीतल के लोटे में 4 से 5 तुलसी की पत्तियां डालें। इसके बाद इसे डालकर करीब 24 घंटे के लिए रख दें।

बच्चे को लेकर जा रहे हैं रिश्तेदारों के घर, रिश्तों की अहमियत के साथ उन्हें सिखाएं कुछ जरूरी बातें

इन दिनों ज्यादातर स्कूलों में बच्चों की गर्मियों की छुट्टियां लग चुकी हैं। ऐसे में लोग अपने बच्चों के साथ घूमने निकलते हैं। बहुत से लोग बच्चों की छुट्टियों में अपने रिश्तेदारों से मिलने जाते हैं। अगर आप भी आगामी छुट्टियों में बच्चों के साथ रिश्तेदारों के घर जाने का सोच रहे हैं, तो कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें। दरअसल, हर माता-पिता ये चाहते हैं, कि उनका बच्चा बचपन से ही समझदार बने और उसकी वजह से उन्हें कहीं पर भी शर्मिंदा न होना पड़े।

किसी का सामान लेने से पहले पूछना

खाने-पीने से लेकर उठने-बैठने तक के लिए बच्चे को तमीज सिखाई जाती है, लेकिन बहुत से माता-पिता इन बातों पर ध्यान नहीं देते। जिस वजह से बच्चे काफी जिद्दी हो जाते हैं, और रिश्तेदारों के सामने वो अपने माता-पिता को शर्मिंदा कर देते हैं। आपको कुछ ऐसी बातों के बारे में जानना चाहिए, जो आप अपने बच्चे को जरूर सिखाएं। ज्यादातर बच्चे जब किसी के घर जाते हैं, तो लोगों का मोबाइल बिना पूछे ले लेते हैं। फोन के अलावा कई बार को वो लोगों की पर्सनल चीजें भी बिना पूछे उठा लेते हैं।

ज्यादा जंक फूड को न कहना

अक्सर जब कोई मेहमान आता है तो लोग उन्हें ढेर सारे स्नैक्स और जंक फूड परोसते हैं। अगर आप भी कहीं जा रहे हैं, तो अपने बच्चे को ये सिखा कर जाएं कि वो ज्यादा जंक फूड न खाए और खुद से ही इसके लिए मना भी करे।

किसी को उल्टा जवाब न देना : आजकल के बच्चे काफी चटक स्वभाव के होते हैं। ऐसे में कई बार वो अपने से बड़ों को भी उल्टा जवाब दे देते हैं। ऐसे में बच्चों को ये जरूर सिखाएं कि उन्हें अपने से बड़ों को कभी उल्टा जवाब नहीं देना चाहिए।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'गोल्डन ग्लोब्स' का हुआ ऐलान, निक्की ग्लेसर फिर करेंगी मेजबानी

हॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड शो में से एक, गोल्डन ग्लोब्स का 83वां संस्करण 11 जनवरी 2026 को बेवर्ली हिल्टन में आयोजित होगा। आयोजकों ने हाल ही में इसकी घोषणा की। मशहूर कॉमेडियन निक्की ग्लेसर एक बार फिर इस शो की मेजबानी करेंगी। 2025 में निक्की ने गोल्डन ग्लोब्स की पहली सोलो महिला होस्ट बनकर इतिहास रच दिया था। अब वह 2026 में दोबारा यह जिम्मेदारी संभालने के लिए उत्साहित हैं।

आयोजकों के अनुसार साल की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों और टीवी शोज के लिए नामांकन की घोषणा 8 दिसंबर 2025 को होगी। वैराइटी की रिपोर्ट के मुताबिक अवॉर्ड्स का पूरा शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा। निक्की ने अपने बयान में मजाकिया अंदाज में कहा, ₹इस साल गोल्डन ग्लोब्स की मेजबानी मेरे करियर का सबसे मजेदार अनुभव था। मैं इसे फिर से करने के लिए बेताब हूं। इस बार मैं 'द व्हाइट लोटस' की टीम के सामने होस्ट करूंगी जो मेरी प्रतिभा को देखकर मुझे सीजन 4 में एक स्कैंडिनेवियाई पिलेट्स इंस्ट्रक्टर के किरदार में कास्ट करेंगे। गोल्डन ग्लोब्स की अध्यक्ष हेलेन होहने ने निक्की की तारीफ करते हुए कहा, ₹इस साल निक्की ने अपनी ताजगी भरी हाजिरजवाबी और बेबाक कॉमेडी से गोल्डन ग्लोब्स के मंच को जीवंत कर दिया था। उनकी मौजूदगी ने समारोह को यादगार और मजेदार बना दिया था।₹ इस शो का आयोजन और प्रोडक्शन करने वाले डिक क्लार्क प्रोडक्शंस ने कहा कि 2025 के गोल्डन ग्लोब्स को औसतन 9.3 मिलियन लोगों ने लाइव देखा। यह संख्या

टॉलीवुड

'जेलर 2' में रजनीकांत के साथ मलयालम स्टार फहाद भी शुरू करेंगे शूटिंग

सुपरस्टार रजनीकांत एक बार फिर निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार के साथ फिल्म 'जेलर' के सीक्वल 'जेलर 2' के लिए काम कर रहे हैं। फिल्म 'जेलर 2' की शूटिंग अभी केरल में चल रही है, जिसमें रजनीकांत जी तोड़ से मेहनत कर रहे हैं। खबर है कि मलयालम स्टार फहाद फासिल भी इस फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि होनी अभी बाकी है। प्रशंसक उन्हें रजनीकांत के साथ देखने के लिए उत्साहित हैं। वैसे रजनीकांत के प्रशंसकों का मानना है कि यह तमिल सिनेमा की पहली ऐसी फिल्म हो सकती है जो 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई करे। फिल्म में रजनीकांत के अलावा राम्या कृष्णन, मिरना, शिवा राजकुमार जैसे कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे। वहीं अब फिल्म में फहाद फासिल का नाम जुड़ने से फिल्म को लेकर प्रशंसकों की उत्सुकता और अधिक बढ़ गई है। यह फिल्म बड़े स्तर पर बनाई जा रही है। अनिरुद्ध रविचंदर इसका संगीत दे रहे हैं, जो एक शानदार साउंडट्रैक का वादा करती है।

भोजपुरी

'क्योंकि... हर एक सास जरूरी होती है' का ट्रेलर हुआ जारी, मिलेगा घरेलू मनोरंजन

अगर आपको भोजपुरी फिल्में देखना पसंद है तो एक नई भोजपुरी फिल्म आ चुकी है, जिसे आप अपनी फैमिली के साथ घर बैठकर आराम से देख सकते हैं। कहानी एक बहू और सास की है, जिसपर अत्याचार होते देख ददिया सास की आत्मा लौट आती है। सास जब आपन बहू के सतावेली ता का उ आपन सास के बात याद रखेली? जाने खातिर देखीं फिलिम 'क्योंकि... हर एक सास जरूरी होती है'। जी हां, इस नई भोजपुरी फिल्म का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। इसमें बहू और सास की ड्रामे भरी कहानी दिखाई गई है। कहानी में सस्पेंस और इमोशंस कूट-कूटकर भरा है। इसे आप तीन दिन बाद घर पर ही फैमिली संग बैठकर इंजॉय कर सकते हैं। भोजपुरी फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि घर में नई बहू शादी करके आती है, लेकिन उसकी सास उसे पसंद नहीं करती है। बहू दिल-जान से अपने ससुरालवालों की सेवा करती है, लेकिन सास को उसकी हर चीज में एक चाल नजर आती है। उसे डर है कि कहीं उसका बेटा और घर, बहू के हाथ में ना चला जाए। लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब ददिया सास की आत्मा आ जाती है। इस फिल्म में अपर्णा मलिक नजर आने वाली हैं। इनके अलावा भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के कई जाने-माने सितारे भी नजर आने वाले हैं। सभी ने फिल्म में दमदार एक्टिंग की है। ट्रेलर देखकर फैंस इसकी जमकर तारीफ कर रहे हैं और फिल्म के वर्ल्ड टीवी प्रीमियर का इंतजार कर रहे हैं।

कनाडा में महिलाएँ अक्सर विस्तृत मनके के काम से सजी बकस्किन ड्रेस या रंगीन रिबन वाली रिबन शर्ट पहनती हैं। यहां लंबी स्कर्ट, पारंपरिक कपड़े और कठोर कनाडाई जलवायु को सहने के लिए शॉल को पहनावे का मुख्य हिस्सा माना जाता है। इसके अतिरिक्त, मेटिस सैश, कमर के चारों ओर पहनी जाने वाली एक बुनी हुई बेल्ट, स्वदेशी और सेटलरी संस्कृतियों के मेल को दर्शाती हैं।

वैक्सिंग के बाद रूखे हो जाते हैं हाथ-पैर तो इनका करें इस्तेमाल, मिलेगी ड्राईनेस से राहत

गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में लोगों की त्वचा में भी कई तरह के बदलाव होने लगते हैं। महिलाएं इस मौसम में अपनी त्वचा का खास ध्यान रखती हैं, लेकिन फिर भी कुछ न कुछ परेशानी सामने आती रहती है। खूबसूरत दिखने के लिए महिलाएं अपने शरीर से अनचाहे बालों को हटाती हैं। इसके लिए वैसे तो कई तरह की हेयर रिमूवल क्रीम बाजार में मिल जाती है, लेकिन महिलाओं को अनचाहे बाल हटाने के लिए वैक्सिंग सबसे सही विकल्प लगता है।

वैक्सिंग द्वारा बाल हटाने में काफी दर्द होता है, लेकिन इससे आपकी त्वचा के अनचाहे बाल पूरी तरह से साफ हो जाते हैं। कई बार ये देखा जाता है कि वैक्सिंग के बाद त्वचा काफी रूखी हो जाती है। ऐसे में आप कुछ चीजों का इस्तेमाल करके इस रूखेपन से राहत पा सकते हैं। इस लेख में हम आपको इन्हीं चीजों के बारे में बताएंगे, जिनके इस्तेमाल से आपकी त्वचा भी मुलायम हो जाएगी।

घी

त्वचा पर घी लगाने से स्किन की काफी परेशानी कम हो जाती हैं। अगर वैक्सिंग के बाद आपकी त्वचा में जलन हो रही है, और त्वचा रूखी हो गई है, तो भी आप घी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपको तत्काल राहत मिलेगी।

एलोवेरा

एलोवेरा में मौजूद तत्व त्वचा को ठंडक पहुंचाने का काम करते हैं। ऐसे में वैक्सिंग के बाद आप अपनी त्वचा पर एलोवेरा लगा सकते हैं। इससे त्वचा काफी मुलायम हो जाती है।

गुलाब जल और ग्लिसरीन

इन दोनों चीजों को मिलाकर अगर आप त्वचा पर लगाएंगे, तो आपको स्किन के रूखेपन से राहत मिलेगी। ये त्वचा की कई अन्य परेशानियों को भी कम करने में मदद करता है।

मलाई

अगर आपके फ्रिज में मलाई रखी है, तो त्वचा को मुलायम बनाने के लिए आप मलाई का इस्तेमाल कर सकती हैं। मलाई के इस्तेमाल से आपकी स्किन बहुत ही ज्यादा सॉफ्ट हो जाती है और आप बार-बार रूखेपन से परेशान नहीं होंगे।

सिंपल सलवार-सूट लुक को खास बनाने में मदद करेंगे पोंचे के ये डिजाइंस

सूट लुक को खास बनाने के लिए डिजाइन और पैटर्न को बॉडी टाइप के अनुसार ही स्टाइल करना चाहिए। इसके लिए आप लेटेस्ट फैशन ट्रेंड पर नजर डालें।

रोजाना पहनने हो या किसी ओकेजन के लिए कम्फ़र्टेबल लुक को कैरी करना हो। इसके लिए सलवार-कमीज बेस्ट ऑप्शन होता है। आमतौर पर कमीज के डिजाइंस में आपको काफी तरह की वेरायटी देखने को मिल जाएगी, लेकिन क्या आप जानती हैं कि स्टाइलिश दिखने के लिए आप सलवार को भी कस्टमाइज कर सकती हैं।

सलवार के लिए आप इसके पोंचो पर काफी तरह के डिजाइन बनवा सकती हैं। तो चलिए देखते हैं सलवार के पोंचें के लिए कुछ खास डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे आपने सलवार-कमीज लुक को स्टाइल करने के आसान टिप्स-

पर्ल डिजाइन सलवार : पर्ल में आपको कई तरह के कलर ऑप्शन भी देखने को मिल जाएंगे। ज्यादातर इस तरह के मोती का इस्तेमाल पेस्टल कलर की सलवार में आप कर सकती हैं। इसके आलावा चाहे तो कट वर्क करके आप फैंसी लुक देने के लिए इस तरह से कई सारे पर्ल मोती को सलवार में लगवा सकती हैं। इसका पैकेट आपको 50 रुपये से भी कम में आसानी से मिल जाएगा।

गोटा-पट्टी लेस डिजाइन सलवार : लेस वर्क को काफी तरह से कस्टमाइज करवाकर आप सूट की सलवार में लगवा सकती हैं। ज्यादातर इसका इस्तेमाल प्लेन फैब्रिक को थान से खरीदकर बनवाएं सूट को फैंसी लुक देने के लिए किया जाता है। इसमें आप चाहे तो आपस में मिलती-जुलती लेस का कॉम्बिनेशन बनवाकर पोंचे में लगा सकती हैं। इसमें आपको बारीक वाली किनारी लेस में काफी डिजाइन और कलर मिल जाएंगे।

चिकनकारी डिजाइन सलवार : सलवार को क्लासी और फैंसी लुक देना चाहती हैं तो इस तरह से आप कढ़ाई वर्क का सहारा भी ले सकती हैं। कढ़ाई वर्क की बात करें तो गर्मी के मौसम में चिकनकारी कढ़ाई वर्क को काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। कमीज के अलावा आप पोंचे में रफल बनवाकर ऊपर चिकनकारी डिजाइन वाली सलवार को चुन सकती हैं।

कलर्ड हेयर पर भूल से भी नहीं इस्तेमाल करने चाहिए ये इंग्रीडिएंट्स

कलर्ड हेयर आपके लुक को बेहद खास बनाते हैं। हालांकि, अगर आप अपने कलर्ड हेयर पर कुछ चीजों का इस्तेमाल करते हैं तो इससे कलर फेड हो सकता है या फिर उसे नुकसान हो सकता है।

हम सभी अपने लुक को समय-समय पर बदलना चाहते हैं और इसलिए अक्सर कुछ ना कुछ चेंज करते हैं। ऐसे में बालों को कलर करवाना बेहद ही आम है। बालों के कलर करवाने से आपका ओवर ऑल लुक चेंज हो जाता है। हालांकि, कलर्ड हेयर तभी अच्छे लगते हैं, जब इनकी सही तरह से केयर की जाए। कलर्ड हेयर पर किसी भी तरह के प्रोडक्ट या फिर होम रेमिडीज को अप्लाई करने से पहले अधिक ध्यान देने की जरूरत होती है।

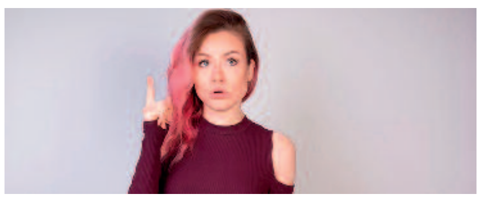

सिरका

अक्सर लोग बालों को रिंस करने के लिए या फिर स्कैल्प बिल्डअप को क्लीन करने के लिए सेब के सिरके का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अगर आप इसे बार-बार अपने कलर्ड हेयर पर अप्लाई करते हैं तो इससे आपके बालों का रंग फीका पड़ सकता है। जिससे आपके बाल बेजान नजर आ सकते हैं।

बेकिंग सोडा

अगर आपके कलर्ड हेयर हैं तो आपको बेकिंग सोडा का इस्तेमाल भी करने से बचना चाहिए। बेकिंग सोडा बहुत अधिक अल्कलाइन होता है और ऐसे में यह आपके कलर्ड हेयर को नुकसान पहुंचा सकता है। यह बालों का प्राकृतिक तेल और रंग छीन सकता है, जिससे वे अधिक रूखे, कमजोर व बेजान नजर आ सकते हैं।

नींबू का रस

बालों की क्लीनिंग करने के लिए होम रेमिडीज के रूप में नींबू का रस इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन नींबू का रस एसिडिक होता है और इसलिए समय के साथ बालों का रंग हल्का कर सकता है। इससे आपका तब और भी ज्यादा रंग फीका पड़ सकता है, अगर आप अपने बालों में नींबू का रस लगाने के बाद धूप में अधिक समय बिताते हैं।

सिंपल चूड़ियों की सेलिब्रिटी स्टाइल में करें सेटिंग, लोग करेंगे तारीफ

बाजार में आपको हर रंग की चूड़ियां मिल जाएंगी। अगर आपके आउटफिट में एक से अधिक रंग हैं तो सबसे अधिक नजर आने वाले रंगों की चूड़ियों को आप मिक्स-मैच करके पहन सकती हैं। मिक्स-मैच करने के लिए आप सिंपल और एक जैसे पैटर्न की चूड़ियां खरीदे और उन्हेंह बंच में एक हाथ में पहन लें। हाथों में अगर आप 2 रंग की चूड़ियां पहन रही हैं, तो आधा दर्जन एक रंग की और आधा दर्जन दूसरे रंग की चूड़ी पहनें। बाजार में आपको बहुत से पैटर्न की चूड़ियां मिल जाएंगी मगर इस तरह से अगर आप चूड़ियों की सेटिंग कर रही हैं तो आपको वेल्वेएट, थ्रेड वर्क या मेटल की चूड़ियां ही खरीदनी चाहिए।

हरे रंग की चूड़ियों का फैशन

कभी भी पुराना नहीं होता है और आप इन्हेंक किसी भी ट्रेडिशनल आउटफिट और किसी भी रंग के साथ पहन सकती हैं। खासतौर पर किसी त्यो हार या फिर शादी के फंक्शन में आप हरे रंग की चूड़ियों को स्टाइलिश अंदाज में पहनना चाहती हैं, तो आपको गोल्ड न मेटल या कांच की चूड़ियों के साथ उन्हें सेट करके पहनना चाहिए। आप चाहें तो सोने की चूड़ियों के साथ भी हरे रंग की कांच की चूड़ियां पहन सकती हैं।

टिप्स- कांच की चूड़ियों के साथ लाख के कड़े को भी आप सेट कर सकती हैं। अगर आपको मोती वर्क पसंद है तो बाजार से मोती वर्क वाले कड़े खरीद लें और हरे रंग की चूड़ियों के साथ पहनें। आप कुंदन वर्क वाले कड़ों या फिर चूड़ियों के साथ भी हरे रंग की चूड़ियां पहन सकती हैं।

आजकल बाजार में राजस्थानी स्टाइल के बहुत सारे सुंदर-सुंदर कड़े आपको देखने को मिल जाएंगे। अगर आपको कड़ों के साथ चूड़ियों को पहनना पसंद है, तो आप एक ब्रॉड डिजाइन वाले कड़े के इर्द-गिर्द रंग-बिरंगी चूड़ियों को सेट कर सकती हैं।

कार्नर न्यूज

आज मेंस फैशन में अहम हिस्सा है परफ्यूम, मौसम के अनुसार करें इस्तेमाल

गर्मियों के मौसम में मेंस परफ्यूम खरीदते हुए रखें जरूरी बातों का ध्यान, खुशबू होगी आपके बस में

परफ्यूम हमारी पर्सनैलिटी को एक जबरदस्त बूस्ट देता है। ये आपको कॉन्फिडेंस देता है, कि तन की दुर्गंध पास आने वाले किसी शख्स को तंग नहीं करेगी। परफ्यूम की फ्रेग्रेंस न सिर्फ आपके स्टाइल स्टेटमेंट को दिखाता है, बल्कि आपकी अच्छी ग्रूमिंग की आदतों के बारे में भी संकेत देता है। लेकिन, ज्यादातर लोग परफ्यूम पसंद कैसे करते हैं? कुछ तो टीवी पर ऐड देखकर वो वाला परफ्यूम खरीदते हैं, जिसे लगाने के बाद लड़कियां पीछे भागती हैं। भले ही उसकी फ्रेग्रेंस उन्हें खुद पसंद नहीं आई। आईए, जानते हैं कि गर्मियों के मौसम के लिए बेस्ट परफ्यूम कैसे खरीदा जाए।

गर्मियों में कैसे परफ्यूम खरीदें?

गर्मियों के मौसम में बहुत तेज खुशबू वाले या गर्म मिजाज वाले परफ्यूम को लगाने से बचना चाहिए। जैसे, सर्दियों के मौसम के लिए हिना या मेहंदी की खुशबू वाले परफ्यूम बेस्ट हैं। लेकिन इनका इस्तेमाल गर्मियों के मौसम में नहीं करना चाहिए। गर्मियों में हल्की और भीनी खुशबू वाले परफ्यूम का प्रयोग करना चाहिए। इसकी फ्रेग्रेंस मन को शांत करे और रूमानी अहसास भी दे। अगर आप ऐसे परफ्यूम का चुनाव करते हैं, तभी परफ्यूम का पूरा आनंद ले सकेंगे।

गर्मियों के मौसम के लिए बेस्ट परफ्यूम

गर्मियों में बेस्ट मेंस परफ्यूम के लिए हर किसी की अपनी च्वाइस हो सकती है। लेकिन फिर भी हम आपको 3 ऐसे प्रोडक्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जो लो बजट में भी प्रीमियम फील पाने में हेल्प कर सकते हैं।

विलेन हाइड्रा यू डे परफ्यूम फॉर मेन

विलेन हाइड्रा परफ्यूम (यू डे परफ्यूम) गर्मियों के मौसम के लिए बेस्ट परफ्यूम में से एक है। इस शानदार परफ्यूम के टॉप नोट्स में लेमन, मिंट, ग्रेपफ्रूट की खुशबू आती है। जबकि मिडिल नोट्स में जैस्मिन, जायफल और व्हाइट फ्लावर का फील आता है। जबकि बेस नोट्स में व्हाइट मस्क, सीडर और चंदन की सुगंध आती है। ये परफ्यूम आपको लंबे समय तक तरोताजा और फ्रेश फील पाने में मदद करेगा।

विलेन द जोकर यू डे परफ्यूम फॉर मेन

विलेन द जोकर यू डे परफ्यूम फॉर मेन कॉलेज गोइंग स्टूडेंट्स के लिए बेस्ट च्वाइस हो सकता है। इस परफ्यूम को न सिर्फ इंडोर बल्कि आउटडोर के लिए भी बेस्ट माना जाता है। इस परफ्यूम के बेस नोट्स में अंबरवुड, पिचूली, ओकमॉस और खस के नोट्स मिलते हैं।

कैसे लगाएं परफ्यूम

परफ्यूम की जरुरत हर इंसान को होती है और इसीलिए रोज इसे लगाना भी चाहिए। लेकिन इससे पहले आपको ये जरूर पता होना चाहिए कि परफ्यूम लगाने का सही तरीका क्या है। इस प्रॉब्लम से निपटने में हमारी ये गाइड आपकी मदद करेगी। परफ्यूम लगाना बेहद आसान है। बस सिर्फ बॉडी के सही एरिया का चुनाव करें और स्प्रे करें। पर्सनैलिटी के कई लूप होल्स हो सकते है। लेकिन इनमें सबसे पहला नंबर परफ्यूम का आता है। परफ्यूम के मामले में ही पुरुष सबसे ज्यादा लापरवाही दिखाते हैं। जबकि ये आपकी पर्सनैलिटी का बेहद अहम हिस्सा है। अच्छी क्वालिटी का परफ्यूम कई बार कुछ खास मौकों पर आपकी पर्सनैलिटी को बूस्ट करने में मददगार साबित हो